শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 259 | गुवाहाटी | रविवार, 26 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

युवा राष्ट्र निर्माता हैं, ज्ञान का उपयोग विकसित भारत के निर्माण ... पेज 2
मणिपुर हिंसा : घातक झड़प के बाद उखरुल में सुरक्षा बलों ने अभियान तेज कर दिया पेज 3
लालू की पाठशाला इतनी ही मजबूत होती, तो उनके करीबी नेता भाजपा में क्यों ... पेज 5
ला लीगा 2025-26 : बेटिस ने रियल मैड्रिड को 1-1 से रोका,बार्सिलोना खिताब... पेज 7

यूएस-ईरान शांति वार्ता पर संकट के बादल

तेहरान ने अमेरिकी दल से मिलने का प्रस्ताव ठुकराया

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को फिर से शुरू करने की कोशिशें नाकाम होती दिख रही हैं; नई रिपोर्टों से पता चलता है कि तेहरान अभी भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान स्थित एक मीडिया संस्थान के चेयरमैन कामरान खान के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के उद्देश्य से होने वाली इस निर्धारित बैठक को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, खान ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि बातचीत के दूसरे दौर की संभावनाएं अब काफी कम हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में आज अमेरिका-ईरान बातचीत के दूसरे दौर के फिर से शुरू होने की संभावनाएं तेजी से खत्म होती जा रही हैं, क्योंकि तेहरान अभी भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने को तैयार नहीं है; इस प्रतिनिधिमंडल के आज देर रात वॉशिंगटन से यहां पहुंचने की उम्मीद थी। खान ने आगे बताया कि ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जुड़ी एक कड़ी शर्त रखी है, जिसमें उसने जोर देकर कहा है कि वाशिंगटन को सबसे पहले ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नौसैनिक नाकेबंदी हटानी होगी। उनके पोस्ट में कहा गया है, ईरान लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि बातचीत का दूसरा दौर शुरू करने की शर्त के तौर पर अमेरिकी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपनी नाकेबंदी खत्म करें। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की अगुवाई में, जिसमें वरिष्ठ सलाहकार और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हैं, अमेरिकी टीम बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने वाली है। यह घटनाक्रम ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के शुक्रवार को इस्लामाबाद पहुंचने के बाद सामने आया है, जिससे शुरू में तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत को फिर से आगे बढ़ाने की उम्मीदें जगी थीं। यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि पाकिस्तान की राजधानी में इस समय ऐसी सुरक्षा व्यवस्था लागू है जिसे *दम घोंटने वाली* सुरक्षा व्यवस्था बताया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, मुख्य सड़कों को सील कर दिया गया है और अति-सुरक्षित *रेड जोन* को सुरक्षा के कड़े घेरे से घेर दिया गया है। बातचीत का पिछला दौर, जो 21 घंटे तक चला था, बिना किसी ठोस प्रगति के समाप्त हो गया था। उस बैठक की अगुवाई अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान के संसदीय अध्यक्ष एम.बी. गालिबफ ने की थी। इससे पहले ईरान, अमेरिका और उनके सहयोगी देशों के बीच बातचीत की नई कोशिशें शुरू हुई हैं, जिनमें पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस्लामाबाद पहुंचकर पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की और तेहरान की मांगों तथा अमेरिका की शर्तों पर अपनी आपत्तियां स्पष्ट रूप से रखीं। सूत्रों के अनुसार, ईरान ने साफ किया है कि वह अपनी शर्तों से पीछे हटने को तैयार नहीं है और किसी भी समझौते में उसकी सुरक्षा और संप्रभुता सर्वोपरि रहेगी। इसी बीच, अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर भी पाकिस्तान पहुंच रहे हैं, जहां वह ईरान के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता में हिस्सा -शेष पृष्ठ दो पर

भारी बारिश का पूर्वानुमान : मुख्य सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

गुवाहाटी। अगले दो दिनों (26 और 27 अप्रैल) में भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य गुवाहाटी में बाढ़ प्रबंधन, जल निकासी और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों का जायजा लेना था। बैठक में मुख्य नालों की गाद निकालने के काम की प्रगति, पंपिंग सिस्टम की तैनाती और उनकी परिचालन तत्परता, तथा भरलू नदी और राष्ट्रीय राजमार्ग को पार करने वाले अन्य प्रमुख जल निकासी चैनलों के किनारे सुरक्षा दीवार (गार्ड वॉल) बनाने से संबंधित एहतियाती उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया। उन क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया, जहां पिछली बार बारिश होने पर जलभराव की समस्या हुई थी। अधिकारियों ने खुले मैनहोल और नालों को ढकने, तथा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पहचाने गए उच्च जोखिम वाले स्थानों पर बैरिकेड लगाने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की। साथ ही विभागों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी संवेदनशील बिंदु सुरक्षित हों और उन पर लगातार निगरानी रखी जाए। भारत -शेष पृष्ठ दो पर

अमृतपाल सिंह को वापस डिब्रूगढ़ जेल भेजा गया

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। वारिस पंजाब दे के प्रमुख और खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह को शनिवार को डिब्रूगढ़ पुलिस स्टेशन में दो दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल पुनः भेज दिया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून/राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत उनकी हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद पंजाब पुलिस द्वारा उन्हें दोबारा गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद, शुक्रवार को सांसद को एक स्थानीय अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। यह मामला फरवरी, 2024 में जेल की एनएसए सेल से कुछ गैर-कानूनी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद होने से -शेष पृष्ठ दो पर

नगांव जिला कारागार में दो कैदियों की रहस्यमय स्थिति में मौत

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला कारागार में दो कैदियों की मौत का मामला प्रकाश में आया है। इस घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी गई है। शनिवार को पुलिस सूत्रों के अनुसार मृत कैदियों की पहचान जितुमनि कोंवर और रूपसिंह देरा के रूप में की गयी है। बताया गया है कि जितुमनि कोंवर नगांव केंद्रीय कारागार के कैदी थे, जबकि रूपसिंह देरा नगांव विशेष कारागार के कैदी थे। हालांकि, दोनों की मौत किन परिस्थिति में हुई है, इसका खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। नगांव के रहा -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है, जब तक जीना, तब तक सीखना यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

– **स्वामी विवेकानंद**

बांग्लादेशी घुसपैठियों से बदल रही है राज्यों की जनसंख्या संरचना : हिमंत

कोलकाता (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं है, बल्कि पूरे देश से जुड़ा विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण राज्य की जनसंख्या संरचना बदल रही है और इसका असर पड़ोसी राज्यों तक पहुंच रहा है। कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 126 में से 100 से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण की 152 सीटों में से 110 सीटों पर पार्टी जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा 200 से अधिक सीटें भी जीत सकती है। उनके अनुसार पहले चरण में लगभग 93 प्रतिशत मतदान यह दिखाता है कि अब भय का वातावरण नहीं है और लोग खुलकर समर्थन कर रहे हैं। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव पूरे पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर बाहरी नेताओं का मुद्दा उठाने -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी हाईकोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस ने कहा-

पूरी पार्टी खेड़ा के साथ, हम जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

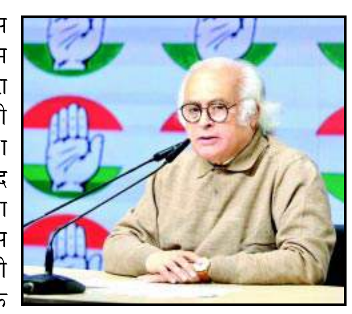

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने गौहाटी हाईकोर्ट द्वारा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद पवन खेड़ा का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है और हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की प्रक्रिया या चल रही है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कांग्रेस को विश्वास है कि धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी। गौहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराए गए आपराधिक मामले से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रिनिकी भुइयां शर्मा पर कई पासपोर्ट रखने -शेष पृष्ठ दो पर

मुझे कोई आपत्ति नहीं है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार, 25 अप्रैल को कहा कि गौहाटी उच्च न्यायालय द्वारा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद कांग्रेस सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के लिए स्वतंत्र है। कांग्रेस द्वारा इस आदेश को चुनौती देने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष ने पीएम से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लाहिड़ी से मुलाकात की तस्वीर साझा कर बधाई देते हुए कहा कि अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति में उनका व्यापक अनुभव भारत के -शेष पृष्ठ दो पर

हिंद महासागर में लुटेरों ने तेल टैंकर किया हाईजैक

नई दिल्ली। सोमालिया के उत्तर पूर्वी अपतटीय क्षेत्र में सोमालिया के संदिग्ध समुद्री लुटेरों ने एक ईंधन टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया। यह जानकारी एक स्थानीय अधिकारी और ब्रिटिश सेना ने दी। संबंधित टैंकर बुधवार को हिंद महासागर के किनारे स्थित अर्ध-स्वायत्त राज्य पुंटलैंड के तटीय कस्बों हाफुन और बंदरबेयला के बीच के जलक्षेत्र में कब्जे -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु, प. बंगाल में मतदान दस्तावेजों की जांच पूरी, पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु की सभी सीटों और पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण के मतदान के बाद फॉर्म 17ए (मतदाता रजिस्टर) एवं अन्य चुनावी दस्तावेजों की जांच पूरी करने के बाद कहा है कि किसी भी केंद्र पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गयी है। चुनाव आयोग ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह प्रक्रिया या 24 अप्रैल को दोनों राज्यों में निर्वाचित अधिकारियों की देखरेख में और पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में पूरी कर ली गई। पश्चिम बंगाल की 152 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान के बाद 1,478 उम्मीदवारों को जांच की तारीख, समय और स्थान की जानकारी दी गई थी। जांच में 600 से -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री आवास की ओर कोकोमी के मार्च से बढ़ा तनाव, आंसू गैस के गोले दागे गए

इंफाल (हि.स.)। इंफाल में कोऑर्डिनेटिंग कमिटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (कोकोमी) द्वारा शनिवार को आयोजित एक विशाल रैली के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें शुरू हो गईं। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। रैली दोपहर करीब एक बजे शुरू हुई, जिसमें घाटी के कई जिलों में अलग-अलग जगहों पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। इन जगहों में लामलोंग बाजार, लंबोई खोंगनांगखोंग, काकवा केइथेल, टिडिम ग्राउंड, हाओ ग्राउंड और ओरिएंटल कॉलेज शामिल थे। कीशामथोंग, वांगोई और खांगेमबल्ली से भी बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी इस रैली में शामिल हुए। बाद में सभी प्रदर्शनकारी एक जगह इकट्ठा हुए और टिडिम रोड की -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल सीमा पर बाजारों में सन्नाटा

भारतीय वस्तुओं पर नए टैक्स से खरीदारी में आई कमी

बहराइच (हि.स.)। पड़ोसी देश नेपाल की बालेन शाह सरकार ने एक नया टैक्स लगा दिया है। नेपाल सरकार ने भारत से आयात होने वाली वस्तुओं पर टैक्स लगाने के साथ ही साथ बॉर्डर पर सख्ती भी कर दी है। सरकार ने 100 नेपाली रुपए यानी 62 भारतीय रुपए से अधिक की वस्तुओं पर नेपाल कस्टम शुल्क लागू कर दिया है। इस शुल्क के लगने का सबसे ज्यादा प्रभाव सीमावर्ती बाजार पर दिखाई पड़ रहा है। इससे पहले नेपाली नागरिक रोजमर्रा -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में चूहे खा गए रिश्वत के पैसे, सुप्रीम कोर्ट भी हैरान, दोषी महिला अधिकारी को दी जमानत

नई दिल्ली। न्याय की प्रक्रिया या में सबूतों का सुरक्षित रहना अनिवार्य है, लेकिन बिहार के एक भ्रष्टाचार मामले में जो सामने आया, वह किसी फिल्म की पटकथा जैसा मालूम होता है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान उस समय गहरा आश्चर्य व्यक्त किया, जब उसे यह जानकारी मिली कि भ्रष्टाचार के एक मामले में आरोपित के कब्जे से कथित तौर पर जब्त किए गए नोटों को चूहों ने कुतर कर नष्ट कर दिया है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए इसे राज्य के लिए *राजस्व की भारी हानि* करार दिया। यह मामला वर्ष 2014 का है, जब बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) के पद पर तैनात एक महिला पर 10 हजार रुपए रिश्वत लेने का आरोप लगा था। सुनवाई के दौरान जब हाईकोर्ट के पिछले वर्ष के फैसले का उल्लेख हुआ, तो यह तथ्य सामने आया कि जिस *मालखाने* में जब्त की गई नकदी रखी गई थी, वहां की खराब स्थिति के कारण चूहों ने नोटों को -शेष पृष्ठ दो पर

भीषण गर्मी का कहर लेकर आ रहा अल-नीनो मई से दिखने लगेगा असर; डब्ल्यूएमओ का अलर्ट

नई दिल्ली। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने चेतावनी दी है कि एल नीनो की स्थिति मई से जुलाई के बीच विकसित हो सकती है, जिससे भारत समेत दक्षिण एशिया में मौसम पर बड़ा असर पड़ेगा। पहले अनुमान था कि यह स्थिति मानसून के दूसरे हिस्से (अगस्त-सितंबर) में बनेगी, लेकिन अब इसके जल्दी आने की संभावना जताई गई है। एल नीनो एक ऐसी जलवायु स्थिति है, जो हर 2 से 7 साल में आती है और करीब 9 से 12 महीने तक रहती है। इसके कारण दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तापमान और बारिश के पैटर्न बदल जाते हैं और आमतौर पर वैश्विक तापमान बढ़ता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग पहले ही इस साल सामान्य से कम बारिश का अनुमान दे चुका है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिससे अगले महीने एल नीनो की स्थिति बनने के संकेत मिल रहे हैं। डब्ल्यूएमओ ने कहा है कि मई-जून-जुलाई के दौरान जमीन का तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है। यानी लगभग हर जगह ज्यादा गर्मी पड़ सकती है। संस्था का मानना है कि ऐसे मौसम पूर्वानुमान कृषि, जल प्रबंधन, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

युवा राष्ट्र निर्माता हैं, ज्ञान का उपयोग विकसित भारत के निर्माण में करें : उपराष्ट्रपति

जयपुर (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माता हैं। उन्हें अपने ज्ञान का उपयोग विकसित भारत के निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और नवाचार के माध्यम से देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने का आह्वान किया है। इस अवसर पर राज्यपाल ने छात्र छात्राओं को डिग्री एवं पदक प्रदान किए। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन शनिवार को जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान को समृद्ध विरासत, वीरता और गहरी सांस्कृतिक विरासत की भूमि बताया, जिसने लंबे समय से उत्कृष्टता और चरित्र को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि जयपुर विरासत और प्रगति का एक जीवंत प्रतीक है और राजस्थान विश्वविद्यालय ज्ञान, सत्यनिष्ठा और सेवा के प्रति समर्पित विचारकों, नेताओं और परिवर्तनकर्ताओं की पीढ़ियों को आकार देना जारी रखे हुए है। उपराष्ट्रपति ने स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह एक अंत और एक नई शुरुआत दोनों का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों से अपने ज्ञान को प्रगति के साधन के रूप में उपयोग करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा का वास्तविक महत्व समाज की बेहतरी, नवाचार और नैतिक आचरण के लिए इसके प्रयोग में निहित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्नातकों को रोजगार सृजनकर्ता, नवप्रवर्तक और राष्ट्र निर्माता बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में युवाओं के लिए नवाचार और अवसरों को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी सराहना की। महिला सशक्तीकरण के महत्व पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने महिला स्नातकों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में स्वर्ण पदक जीतने वालों में अधिकांश महिलाएं रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धियां महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती हैं और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए समान अवसर, गरिमा और नेतृत्व की भूमिका के बिना एक सच्चा विकसित राष्ट्र अस्तित्व में नहीं रह सकता। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधायी निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को और अधिक बढ़ाएगा। तेजी से बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना करते हुए उपराष्ट्रपति ने छात्रों से आलोचनात्मक चिंतन करने, नैतिक आचरण अपनाने और आजीवन सीखने को प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को दृढ़ रहने, असफलताओं से सीखने और मूल्यों पर अडिग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सहानुभूति के बिना उत्कृष्टता और विनम्रता के बिना उपलब्धि अधूरी है। उन्होंने स्नातकों से समाज में सार्थक योगदान देने, करुणा का भाव रखने, विविधता का सम्मान करने और सार्वजनिक हित के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने स्नातकों से नशे से दूर रहने और सोशल मीडिया का रचनात्मक उपयोग करने की भी सलाह दी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय कभी राजपूताना विश्वविद्यालय से जाना जाता था। इसका जो ध्येय वाक्य है, वह बहुत महत्वपूर्ण है।

असम चुनाव : गुवाहाटी में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के लिए आम चुनाव, 2026 की मतगणना प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को गुवाहाटी के होटल रैडिसन ब्लू में जिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों और निर्वाचन अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, असम के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में, भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, मतगणना प्रक्रिया की विस्तृत योजना और उसके कार्यान्वयन के विभिन पहलुओं को शामिल किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (असम) अनुराग गोयल ने अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी और संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ, इस कार्यक्रम में संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि मतगणना प्रक्रिया का संचालन भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए किया जाए। उन्होंने मतगणना कक्षों में की जाने वाली व्यवस्थाओं पर भी प्रकाश डाला और मतगणना प्रक्रिया के दौरान ईवीएम तथा वीवीपैट के प्रबंधन में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें डाक मतपत्रों और ईवीएम की गणना, स्ट्रांग रूम को खोलना और सामग्री को मतगणना कक्षों तक पहुंचाना, मतगणना कर्मियों की तैनाती और प्रशिक्षण, मतगणना एजेंटों को पहचान पत्र जारी करना, अग्नि सुरक्षा उपाय, मीडिया प्रबंधन, और मतगणना के बाद की वे प्रक्रियाएं शामिल थीं जिन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना है।

असम में सात करोड़ की हेरोइन बरामद पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में कामरूप जिले के अमीनगांव में पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लगभग 7 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ के साथ चार महिलाओं समेत पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पांचों तस्करों से गहन पूछताछ कर रही है। असम पुलिस मुख्यालय के सीपीआरओ ने शनिवार को बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने मणिपुर के चुराचांदपुर निवासी मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल डेमथांग हाओकिप (36) को उसके अन्य चार महिला तस्करों के साथ अमीनगांव में गिरफ्तार किया। चारों महिला अमीनगांव में नशीले पदार्थों की डिलीवरी करने पहुंची थी, जहां से उसे निचले असम के विभिन जि़लों में भेजा जाना था। महिला मादक पदार्थ तस्करों के कब्जे से हेरोइन भरे प्लास्टिक के 62 साबुनदानी बरामद किए गए। हेरोइन का वजन (बिना साबुनदानी के) 837 ग्राम पाया गया। नशीले पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत 7 करोड़ रुपए आंकी गई है।

पूसीरे ने किया बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) अपने बुनियादी ढांचे की निरंतर निगरानी और आधुनिकीकरण के माध्यम से रेल परिचालन की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। पूरे जोन में ट्रेनों की सुरक्षित और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक और तकनीकी रूप से उनत प्रणालियों को अपनाना इसका एक प्रमुख फोकस क्षेत्र बना हुआ है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि चालू वर्ष के मार्च माह के दौरान, पूसीरे ने सिग्नलिंग और सुरक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं। जोन के कटिहार, अलीपुरद्वार, रंगिया और लामडिंग मंडलों के पांच स्टेशनों पर क्लैम्प प्रकार लॉकिंग के साथ थिक वेब स्विच प्वाइंट मशीनें स्थापित की गई हैं। कटिहार, अलीपुरद्वार और तिनसुकिया मंडलों के सात स्टेशनों पर सिस्टम इंटीग्रिटी परीक्षण किया गया।

दस साल में तीन गुना बढ़ी शुभंकर की संपत्ति : हिमंत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और श्रीरामपुर निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार शुभंकर सरकार की संपत्ति में पिछले एक दशक में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चुनाव हलफनामे के अनुसार, शुभंकर सरकार की संपत्ति 10 वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़ गई है। हलफनामे के मुताबिक, सरकार ने अपनी वर्तमान कुल संपत्ति 14.4 करोड़ रुपए घोषित की है। तुलनात्मक रूप से देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी संपत्ति 4.35 करोड़ रुपए थी, जिसमें अब तक 231 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, 2021 के चुनाव में उन्होंने अपनी संपत्ति 7.42 करोड़ रुपए बताई थी, यानी पिछले पांच वर्षों में इसमें लगभग 94 प्रतिशत का उछाल आया है। 66 वर्षीय शुभंकर सरकार ने हलफनामे में अपनी शैक्षणिक योग्यता स्नातक बताई है। राहत की बात यह है कि उनके खिलाफ कोई भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। हालांकि, हलफनामे में संपत्ति में हुई इस अचानक और बड़ी वृद्धि के सटीक कारणों को नहीं बताया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा कहते हैं कि लोग डर के मारे वोट नहीं देते। वे तभी वोट देते हैं जब वे बदलाव चाहते हैं। लोग बदलाव के लिए वोट दे रहे हैं। उन्होंने सोनार बांग्ला के लिए वोट दिया। प्रवासी बंगाली आए हैं; यह अच्छी बात है। लेकिन बांग्लादेशी मुसलमानों ने डर के मारे वोट दिया, और हमारे समुदाय के लोगों ने बदलाव के लिए वोट दिया। भाजपा सरकार के तहत एक भी बांग्लादेशी हिंदू डरा हुआ नहीं है। डरने का कोई कारण नहीं है। अगर हिंदू भारत में सुरक्षित नहीं हैं, तो वे कहां सुरक्षित रहेंगे? टीएमसी नेता सयोनी घोष की टिप्पणी पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि काबा और मदीना की बात करने वालों को स्थायी रूप से काबा और मदीना में ही बस जाना चाहिए। भारत में आप अयोध्या की बात कर सकते हैं। आप अजमेर शरीफ की बात कर सकते हैं; इसमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन क्या आप काबा और मदीना की बात कर रहे हैं? इन लोगों को मानसिक समस्या है। पश्चिम बंगाल में मांसाहारी भोजन के मुद्दे पर वे कहते हैं कि एक बार उन्हें मेरे साथ बैठकर खाने दीजिए। मैं देखूंगा कि वे मुझसे ज्यादा खाते हैं या मैं उनसे एक किलो ज्यादा खाऊंगा। 4 तारीख को हम माछेर झोल खाने वाले हैं। सांसद अभिषेक बनर्जी की टिप्पणी पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अभिषेक जी को अमित शाह जी को चुनौती देने की जरूरत नहीं है। नतीजे 4 तारीख को आ जाएंगे। अभिषेक 6 तारीख को दुबई जाएंगे।

पृष्ठ एक का शेष

तेहरान ने अमेरिकी...

लेंगे। हालांकि ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह सीधे तौर पर अमेरिका के साथ आमने सामने बातचीत नहीं करेगा और अपनी बात पाकिस्तान के माध्यम से ही रखेगा। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच अविश्वास अब भी गहरा है। उधर, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में इन वार्ताओं को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शहर के कई हिस्सों में लॉकडाउन जैसी स्थिति है, प्रमुख मार्ग बंद हैं और आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। पहले दौर की वार्ता किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी थी, ऐसे में इस बार भी अनिश्चितता बनी हुई है। इस्लामाबाद की ओर जाने वाली मुख्य सड़कों को बंद कर दिया गया है तथा उस रेड जोन को कड़े सुरक्षा घेरे में रखा गया है जहां प्रमुख सरकारी भवन एवं राजनयिक मिशन स्थित हैं। पास के वाणिज्यिक क्षेत्र ब्लू एरिया में बाजार सुनसान हैं, कैफे में आपूर्ति कम हो रही है और बस अड्डों की सेवाएं बंद होने के कारण सार्वजनिक परिवहन बाधित है जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। लोगों के लिए अनिश्चितता सबसे कठिन स्थिति है। हाल के सप्ताहों में यह दूसरा *लॉकडाउन* है। अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों के बीच वार्ता के लिए इस्लामाबाद में पहले 11 अप्रैल को लॉकडाउन किया गया था। वह वार्ता कोई समझौता हुए बिना समाप्त हो गई थी। इसके बाद शहर कुछ समय के लिए खुला, लेकिन पाकिस्तान द्वारा एक और दौर की बातचीत की मेजबानी की तैयारियां किए जाने के बीच पाबंदियां फिर लागू कर दी गईं। हालांकि, वार्ता को लेकर अब भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। हम आपको याद दिला दें कि ट्रंप ने ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया था ताकि तेहरान को युद्ध समाप्त करने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार करने का और समय मिल सके। यह फैसला युद्धविराम की अवधि समाप्त होने से कुछ घंटे पहले किया गया। दूसरी ओर ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने देश के भीतर एकता की सराहना की है और कहा है कि दुश्मनों को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ईरान किसी दबाव में झुकने वाला नहीं है। सुरक्षा कारणों से वह सार्वजनिक रूप से बहुत कम नजर आ रहे हैं और उनके निर्देश विशेष माध्यमों से जारी किए जा रहे हैं। उधर, मैदान में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने अपनी नौसेना को होरमुज जलडमरूमध्य में ईरानी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह जलमार्ग विश्व के तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा संभालता है, लेकिन युद्ध के कारण यहां जहाजों की आवाजाही में भारी कमी आई है। इसके अलावा, लेबनान में भी संघर्ष जारी है, जहां हिजबुल्लाह ने युद्धविराम बढ़ाने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और एक इजराइल ड्रोन को मार गिराया। इसके जवाब में इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के खियाम शहर में बमबारी की, जिसमें रिहायशी इलाके भी प्रभावित हुए। इससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है। इसी बीच, खाड़ी क्षेत्र में भी अस्थिरता देखने को मिली है। कतर ने कुवैत पर हुए ड्रोन हमले की कड़ी निंदा की है और इसे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। कतर ने इराक से ऐसे हमलों को रोकने की जिम्मेदारी निभाने की अपील की है। वहीं ईरान ने आंतरिक स्तर पर भी सख्त कदम उठाए हैं। उसने एक व्यक्ति को इस्राइल के लिए जासूसी करने के आरोप में फांसी दे दी है। यह कार्रवाई उन कई मामलों में से एक है, जिनमें हाल के महीनों में सख्ती बढ़ाई गई है। अधिकारियों का कहना है कि देश की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। युद्ध के बीच एक सकारात्मक संकेत यह भी है कि ईरान ने लगभग दो महीने बाद तेहरान के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों को फिर से शुरू कर दिया है। इससे यह उम्मीद जगी है कि स्थिति धीरे धीरे सामान्य हो सकती है, हालांकि पूरी तरह स्थिरता अभी दूर है।

भारी बारिश का पूर्वानुमान...

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए), और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), गुवाहाटी द्वारा विस्तृत प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें बारिश के पूर्वानुमान और तैयारियों की रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। मुख्य सचिव ने सभी एजेंसियों के बीच समन्वित कार्रवाई और वास्तविक समय में प्रतिक्रिया देने की तत्परता की आवश्यकता पर जोर दिया गया। गुवाहाटी शहर यातायात पुलिस ने जलभराव की स्थितियों के दौरान संभावित यातायात जाम के जोखिमों को उजागर किया। यह निर्णय लिया गया कि व्यवधान को कम करने और आवश्यक सेवाओं की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, आवश्यकतानुसार वैकल्पिक यातायात प्रबंधन योजनाओं को सक्रिय किया जाएगा। पूरे शहर में 300 से अधिक स्थानों को भूस्खलन-संभावित क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया गया है। इन क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, और संवेदनशील इलाकों में रहने वाले निवासियों को सचेत करने के लिए जन जागरूकता अभियानों को तेज किया जाएगा। प्रमुख जल निकासी प्रणालियों की स्थिति और रखरखाव की भी विस्तृत समीक्षा की गई, जिनमें सिलसाको, जूरीपार, भरूलू, बाहिनी, वशिष्ठ और पामोही से जुड़े नाले, साथ ही जोराबाट-बर्नीहाट गलियारा शामिल हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे प्रमुख स्थानों पर—विशेष रूप से जालुकबारी और गोरचुक के बीच, अपोलो एक्सेलकेयर के पास, और मालीगांव स्थित क्रॉस-ड्रेनेज संरचनाओं का भी आकलन किया गया। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) और गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) को निर्देश दिया गया है कि वे *सुपर सकर* और पंपिंग मशीनों की चौबीसों घंटे तैनाती सुनिश्चित करें। सभी आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र 24×7 (दिन-रात) चालू रहने चाहिए। इस बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें विशेष मुख्य सचिव (डीओएचयूए), अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व और आपदा प्रबंधन), आयुक्त और विशेष सचिव (पीडब्ल्यूडी सड़कें), उपायुक्त (मेट्रो), पुलिस आयुक्त, नगर और ग्राम नियोजन निदेशक, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि शामिल थे। उधर भारी वर्षा की आशंका को देखते हुए, प्रशासन सभी नागरिकों से सावधानी बरतने का आग्रह किया। निवासियों को सलाह दी गई कि वे अपनी आवाजाही की योजना सावधानीपूर्वक बनाएं, जलभराव वाले और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों से बचें, और खुले नालों, नदियों तथा भूस्खलन की चपेट में आने वाले क्षेत्रों के पास जाने से परहेज करें। इस अवधि के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने और जोखिमों को कम करने के लिए जनता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

अमृतपाल सिंह को ...

जुड़ा है। यह कार्यवाही ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास चंदन सैकिया के सामने हुई, जिसमें सिंह को कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस स्टेशन से पेश किया गया। उनके नौ साथी, जिन्हें पहले डिब्रूगढ़ में उनके साथ रखा गया था और बाद में पंजाब की जेलों में भेज दिया गया था, उन्हें भी एक साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गोइंदवाल, बठिंडा और पटियाला जेलों से पेश किया गया। यह मामला हाई-सिक्योरिटी वाली एनएसए सेल के अंदर कथित तौर पर गैर-कानूनी कम्युनिकेशन डिवाइस इस्तेमाल करने से जुड़ा है, जिससे जेल की सुरक्षा और निगरानी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वारिस पंजाब दे पर हुई कार्रवाई के बाद 2023 में सांसद अमृतपाल सिंह को एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था और उन्हें अपने कई साथियों के साथ डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में रखा गया था। उनकी तीन साल की निवारक हिरासत (प्रिवेंटिव डिटेंशन) की अवधि समाप्त होने पर, पंजाब पुलिस ने उन्हें लंबित मामलों के सिलसिले में दोबारा गिरफ्तार कर लिया, जिसके चलते यह ताजा कार्यवाही हुई है।

नगांव जिला कारागार ...

निवासी जितुमनि कोंवर को 24 दिसंबर, 2025 को जेल में भेजा गया था। उसके विरूद्ध रहा थाने में 137/2025 नंबर का मामला दर्ज हुआ था। उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296/117(2)109 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं, होजाई जिला के लंका थानांतर्गत उदाली निवासी रुपसिंह देरा को बीते 25 मार्च, 2026 को नगांव जेल में भेजा गया था। उसके विरूद्ध हत्या के मामले में लंका थाने में दर्ज 49/2026 नंबर के तहत जेल भेजा गया था।

बांग्लादेशी घुसपैठियों से ...

का आरोप लगाते हुए कहा कि घुसपैठ का प्रभाव केवल बंगाल और असम तक सीमित नहीं है, बल्कि झारखंड, बिहार और अन्य राज्यों तक फैल रहा है। आरोप लगाया कि यदि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन नहीं हुआ तो राज्य *बांग्लादेश का विस्तार* बन सकता है। उनका कहना था कि एक बार जनसंख्या संतुलन बदलने के बाद उसे वापस लाना कठिन होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा का 54 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम बंगाल से जुड़ा है, जबकि त्रिपुरा का 21 प्रतिशत, मेघालय का 11 प्रतिशत, मिजोरम का आठ प्रतिशत और असम का छह प्रतिशत हिस्सा सीमा से लगता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी एक राज्य की सीमा खुली रहती है तो उसका प्रभाव सभी सीमावर्ती राज्यों पर पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये पश्चिम बंगाल में नहीं रुकते, बल्कि असम और देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचते हैं। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सीमा पर बाड़बंदी को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार पर सहयोग न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि असम में 100 प्रतिशत बाड़बंदी हो चुकी है और त्रिपुरा में काम जारी है, जबकि पश्चिम बंगाल में कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, 24 परगना दक्षिण व उत्तर, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और नदिया जैसे सीमावर्ती जिलों में मतदाताओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यदि भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाती है तो वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह करेंगे कि पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम के मुख्यमंत्रियों की संयुक्त कार्यबल बनाई जाए, ताकि घुसपैठ पर प्रभावी कार्रवाई हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल को गुजरात और महाराष्ट्र जैसे औद्योगिक राज्यों से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। उनके अनुसार भाजपा का सबसे बड़ा लक्ष्य तेज औद्योगिकीकरण और जनसंख्या संतुलन की सुरक्षा है।

पूरी पार्टी खेड़ा के ...

और विदेश में संपत्तियां होने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पवन खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने दिल्ली स्थित पवन खेड़ा के घर पर छापेमारी की। 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट ने उन्हें एक सप्ताह की अग्रिम जमानत दी, लेकिन 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले पर रोक लगा दी। 21 अप्रैल को गौहाटी हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा और 24 अप्रैल को अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

मुझे कोई आपत्ति...

हमें कोई आपत्ति नहीं है। कानून के तहत वे जो चाहें कर सकते हैं। यह मामला असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर से जुड़ा है। इस बीच, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है और उच्च न्यायालय के फैसले को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी को राहत मिलेगी और उन्होंने *धमकी, डरा-धमकाकर उत्पीड़न* का आरोप लगाया। गौहाटी उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला साधारण मानहानि से कहीं अधिक गंभीर है और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत प्रथम दृष्टया अपराध का संकेत देता है। न्यायालय ने यह भी कहा कि खेरा द्वारा उद्धृत दस्तावेजों के स्रोत और प्रामाणिकता का पता लगाने के लिए हिरासत में पूछताछ आवश्यक हो सकती है। न्यायमूर्ति पार्थिवज्योति सैकिया ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि गुवाहाटी में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान खेरा द्वारा लगाए गए आरोप उन दस्तावेजों पर आधारित प्रतीत होते हैं जो अभी तक प्रामाणिक साबित नहीं हुए हैं।

तमिलनाडु, प. बंगाल में ...

अधिक उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 44,376 मतदान केंद्रों की जांच के बाद किसी भी केंद्र पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गई। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान के बाद 4,023 उम्मीदवारों को जांच प्रक्रिया या में शामिल होने के लिए सूचित किया गया था। 1,825 उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। 75,064 मतदान केंद्रों की जांच के बाद भी किसी केंद्र पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गई। चुनाव आयोग ने बताया कि पूरी प्रक्रिया या की वीडियोग्राफी की गई और जांच के बाद फॉर्म 17ए और संबंधित सामग्री को पुन: सील किया गया। ईवीएम और वीवीपैट मशीनों को सुरक्षित रूप से स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया है, जिन्हें दोहरी ताले की व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और 24 घंटे दो-स्तरीय सुरक्षा में रखा गया है। निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे स्ट्रॉन्ग रूम का दिन में दो बार निरीक्षण करें, जबकि जिला निर्वाचन अधिकारी मुख्यालय में स्थित स्ट्रॉन्ग रूम का रोजाना और बाहर स्थित स्ट्रॉन्ग रूम का तीन-चार दिन में एक बार निरीक्षण करेंगे। उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों को भी स्ट्रॉन्ग रूम परिसर में निगरानी के लिए कैंप लगाने की अनुमति दी गई है।

मुख्यमंत्री आवास की ओर ...

ओर मार्च किया। उनका मकसद मुख्यमंत्री के आवास तक पहुंचकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपना था, जिसमें छह मुख्य मांगें रखी गई थीं। इन मांगों में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, हालिया हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना और मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना शामिल था। जैसे-जैसे रैली आगे बढ़ी, तनाव बढ़ता गया, जिससे प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर आंसू गैस के गोले दागे। ख्वायरमबंद इमा केइथेल के पास स्थिति विशेष रूप से तनावपूर्ण बनी रही। यहां बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी इकट्ठा थे और अपने प्रतिनिधियों से मिलने वाली जानकारी का इंतजार कर रहे थे। ये प्रतिनिधि मुख्यमंत्री युमनम खेमचंद सिंह से मिलने के लिए उनके बंगले पर गए हुए थे। जॉनस्टोन स्कूल के पास भी भीड़ जमा होने की खबरें मिलीं, जिससे मध्य इंफाल में तनाव और बढ़ गया। बढ़ते तनाव के बीच जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारी समूहों को तितर-बितर करने की कोशिश की, तो इमा केइथेल इलाके में एक बार फिर आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। इससे पहले दिन में, इमा केइथेल बाजार में सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू हो गई थीं। हालांकि, झड़पों के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, जिससे दुकानदारों और खरीदारों को वहां से भागना पड़ा। कई महिला दुकानदार, जिनमें दूर-दराज के इलाकों से अपना सामान बेचने आई महिलाएं भी शामिल थीं, स्थिति बिगड़ने के बाद पैदल ही वहां से निकलने लगीं। फिलहाल, मिली जानकारी के अनुसार किसी बड़ी हिंसा की खबर नहीं है, लेकिन स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। अधिकारी पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं।

भारतीय वस्तुओं पर नए...

के घरेलू सामानों की खरीदारी के लिए सीमा पार करके भारतीय बाजारों में आते थे। इस फैसले का सबसे ज्यादा प्रभाव सीमावर्ती भारतीय बाजारों, खासकर रुपईडीहा, बाबागंज एवं नानपारा पर पड़ता नजर आ रहा है। सीमावर्ती व्यापारियों के मुताबिक, नेपाल सरकार के निर्णय से 40 फीसदी से अधिक कारोबार में कमी आई है। नेपाल सरकार के इस कदम से भारतीय व्यापारी भी नाराज हैं। नेपाल सीमा से सटे भारतीय बाजार में नेपाली नागरिकों को सब्जी, चावल, दाल के अलावा बर्तन सस्ते मूल्य पर मिल जाते हैं। इसके चलते नेपाल के नागरिक रुपईडीहा, बाबागंज व नानपारा के बाजार में काफी मात्रा में भारतीय सामानों की खरीद करते हैं। कपड़ा विक्रेता दानिश फरमान रजा ने बताया कि पहले नेपाली ग्राहक बड़ी संख्या में खरीदारी करने आते थे। अब बाजार में सन्नाटा पसरा रहता है। सुबह दुकान खोलने के बाद शाम तक नेपाली ग्राहक का इंतजार ही करना पड़ता है। इसी तरह फुट वियर व्यवसायी अब्दुल सलाम ने कहा कि बाजार की स्थिति खराब हो चुकी है। दुकानें खुलती तो हैं, लेकिन ग्राहकों के अभाव में कुछ ही देर बाद बंद करनी पड़ती हैं। व्यापार पर इसका गहरा असर पड़ा है। किराना व्यापारी आसिफ सिद्दीकी ने भी चिंता जताते हुए बताया कि नेपाली नागरिक अब केवल घूमने-फिरने के उद्देश्य से आते हैं। खरीदारी करने में उनकी रुचि कम हो गई है। कर के डर से लोग सामान खरीदने से बच रहे हैं। बिक्री लगभग ठप हो गई है।

बिहार में चूहे खा गए...

बर्बाद कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल के अपने आदेश में तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि चूहों द्वारा नोट नष्ट करने का जो स्पष्टीकरण दिया गया है, वह कतई विश्वास के योग्य नहीं है। कोर्ट ने चिंता व्यक्त की कि आखिर ऐसे कितने और मामले होंगे जहां जब्त की गई बेशकीमती नकदी असुरक्षित स्थानों पर रखे जाने के कारण बर्बाद हो जाती होगी। कोर्ट ने इसे केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह माना है। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता महिला की सजा को निलंबित करते हुए उसे जमानत दे दी है। यह महिला पहले ट्रायल कोर्ट से बरी हो गई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने उसे दोषी करार दिया था। अब इस पूरे मामले की आगे सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट इस बात पर भी गौर करेगा कि आखिर सरकारी खजाने की सुरक्षा में ऐसी चूक कैसे हुई। यह घटना सरकारी तंत्र की उस व्यवस्था की पोल खोलती है जहां साक्ष्यों का संरक्षण ही खुद सुरक्षित नहीं है। यदि भ्रष्टाचार के सबूतों का हश्र *चूहों का निवाला* बनना है, तो फिर न्याय की उम्मीद किससे की जाए? यह सिर्फ एक प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सार्वजनिक धन के प्रति घोर उदासीनता का प्रतीक है। कोर्ट की यह टिप्पणी भविष्य में मालखानों की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एक चेतावनी की तरह है।

भीषण गर्मी का कहर ...

ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों के लिए बेहद जरूरी होते हैं, ताकि समय रहते तैयारी की जा सके। डब्ल्यूएमओ के जलवायु पूर्वानुमान प्रमुख विलफ्रान मौफूमा ओकिया ने कहा कि साल की शुरुआत में तटस्थ स्थिति थी, लेकिन अब सभी मॉडल एल नीनो बनने की पुष्टि कर रहे हैं और आने वाले महीनों में इसके और मजबूत होने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में इस साल बर्फ की मात्रा सामान्य से 27.8 प्रतिशत कम रही है, जो पिछले 20 सालों में सबसे कम है। इससे नदियों के पानी पर असर पड़ सकता है और करीब 2 अरब लोगों की जल सुरक्षा को खतरा हो सकता है। आमतौर पर एल नीनो के दौरान ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और भारत के कुछ हिस्सों में कम बारिश या सूखे की स्थिति बनती है। वहीं दक्षिण अमेरिका, अमेरिका के दक्षिणी हिस्सों, अफ्रीका के कुछ क्षेत्रों और मध्य एशिया में ज्यादा बारिश देखने को मिलती है।

नीति आयोग के ...

सुधारों की दिशा और *विकसित भारत* के लक्ष्य को मजबूत करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि लाहिड़ी के प्रयास देश में नीति-निर्माण को और अधिक गतिशील बनाएंगे। सरकारी अधिसूचना के अनुसार वरिष्ठ अर्थशास्त्री लाहिड़ी को शुक्रवार को नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आयोग की नई पूर्णकालिक टीम की भी घोषणा की गई है। नई टीम में राजीव गौबा, प्रो. केवी राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नीति आयोग भारत की नीति-निर्माण संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है, जो सहकारी संघवाद, सुधारों और *ईज ऑफ लिविंग* को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस बीच प्रो. गोबर्धन दास ने सोशल मीडिया पर अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि एक साधारण किसान परिवार से आने के बावजूद उन्हें देश की सेवा का अवसर मिला है, जो उनके लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके योगदान की सराहना की और कहा कि पब्लिक हेल्थ, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में उनका कार्य देश के लिए प्रेरणादायक है।

हिंद महासागर में ...

में ले लिया गया। समुद्री पुलिस बल के एक कर्नल ने *एसोसिएटेड प्रेस* को बताया कि टैंकर बेरबेरा बंदरगाह से रवाना हुआ था और सोमालिया की राजधानी मोगादिशु की ओर जा रहा था, तभी उसे रोक लिया गया। अधिकारी ने बताया कि बंदरबेयला जिले के छह हथियारबंद लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया। ब्रिटिश सेना की इकाई *यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस* ने भी सोमालिया के तट के पास एक तेल टैंकर को कब्जे में लिए जाने की जानकारी देते हुए एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि अनधिकृत लोगों ने टैंकर पर कब्जा कर लिया और उसे *सोमालिया की क्षेत्रीय जल सीमा के भीतर दक्षिण की ओर* ले गए।

मणिपुर हिंसा : घातक झड़प के बाद उखरुल में सुरक्षा बलों ने अभियान तेज कर दिया

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में एक घातक झड़प के एक दिन बाद सुरक्षा बलों ने अभियान तेज कर दिया है, जिसमें तीन लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारी स्थिति को और बिगड़ने से रोकने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तेजी से कदम उठा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए केंद्र और राज्य दोनों बलों ने प्रभावित क्षेत्रों में और उसके आसपास तलाशी अभियान तेज कर दिए हैं। जिले भर में सुरक्षा तैनाती को भी काफी मजबूत कर दिया गया है। हिंसा शुक्रवार को लिटान पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मुल्लम गांव में भड़क उठी, जहां भारी गोलीबारी के परिणामस्वरूप तीन व्यक्तियों - पाओमिनलुन हाओलाई (22), लेटलाल सिटलहो (41), और होर्शोकमी जमंग (29) की मौत हो गई। जहां हाओलाई और सितलहौ कुकी समुदाय से थे, वहीं जामांग तांगखुल नागा समुदाय से थे। पीड़ित चुराचंदपुर, कांगपोकपी और कामजोंग जिलों के निवासी थे। पुलिस ने बताया कि इस

घटना के दौरान कई घरों में आग भी लगा दी गई। उखरुल, जो नागालैंड की सीमा से लगता है और म्यांमार के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है, मुख्य रूप से तांगखुल नागा समुदाय द्वारा बसा हुआ है। हिंसा की निंदा करते हुए मणिपुर के उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन ने घटना को बेहद चिंताजनक बताया और सभी समुदायों से शांति और एकता बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र उपद्रवियों के हमले से व्यापक तबाही हुई है, जिससे घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और महिलाओं और बच्चों सहित नागरिक घायल हो गए हैं। निहत्थे ग्रामीणों के खिलाफ इस तरह के बर्बर कृत्य न केवल अमानवीय हैं, बल्कि हमारे समाज की बुनियाद पर सीधा हमला भी हैं। मैं सभी पीड़ितों और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी और हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, किपगेन ने कहा और शांति बहाल करने के लिए संयम बरतने और सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हिंसा केवल विभाजन को गहरा करेगी और विकास में बाधा डालेगी। इस नाजुक मोड़ पर, मैं सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की पुरजोर और हार्दिक अपील करती हूं। हिंसा से कोई समाधान नहीं निकलता; यह केवल घावों को गहरा करती है, विश्वास को नष्ट करती है और प्रगति में बाधा डालती है, उन्होंने आगे कहा। बढ़ते तनाव के बीच, थडौ समुदाय की शीर्ष संस्था, थडौ इनपी मणिपुर ने 1990 के दशक के कुकी-नागा संघर्ष की याद दिलाते हुए नए सिरे से जातीय संघर्ष की संभावना पर चिंता व्यक्त की। संगठन ने सभी समूहों से आग्रह किया कि वे थाडौ समुदाय को संघर्ष में घसीटने से बचें और अपने सदस्यों से तटस्थ रहने और किसी भी प्रकार की हिंसा से दूर रहने की अपील की। इसी बीच, सुरक्षा बलों ने चंदेल जिले के खुमकोट गांव में एक अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। जब्त की गई वस्तुओं में आग्नेयास्त्र, ग्रेनेड, गोले, एक डेटोनेटर और संचार उपकरण शामिल थे। इसके अलावा, असम राइफल्स ने चुराचंदपुर जिले में देर रात बचाव अभियान चलाया और जिला प्रशासन के अनुरोध पर सेंगुई गांव से 55 वर्षीय एक व्यक्ति को सुरक्षित निकाल लिया अधिकारियों ने कहा कि उस व्यक्ति से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ गई थी। स्थानीय पुलिस इकाइयों के समन्वय से चलाया गया यह अभियान बिना किसी घटना के सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और बाद में उस व्यक्ति को चकपिकारोंग पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि त्वरित कार्रवाई क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करती है।

सुरक्षा बलों ने नागालैंड के मोन जिले में अल्फा आई के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया

कोहिमा। शुक्रवार को सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान नागालैंड के मोन जिले में प्रतिबंधित अल्फा-आई के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, असम राइफल्स के जवानों ने रात करीब 2 बजे फोमचिंग उपमंडल के शांगन्यू गांव पर लक्षित छापा मारा। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों की पहचान असम के तेजपुर के रहने वाले स्वयंभू लेफ्टिनेंट गजेंद्र असम (35), जोरहाट जिले के स्वयंभू लांस कॉर्पोरल ब्रोजेन असम (27) और गोलाघाट जिले के स्वयंभू सार्जेंट पुहोर असम (26) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तीनों आरोपी फोमचिंग इलाके में सक्रिय थे और शांगन्यू गांव जा रहे थे तभी उन्हें रोककर पकड़ लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गजेंद्र असम 2011 में इस संगठन में शामिल हुआ था, जबकि ब्रोजेन असम और पुहोर असम क्रमशः 2022 और 2019 में इसके सदस्य बने थे। उन्होंने आगे कहा कि ये तीनों सक्रिय कार्यकर्ता थे और कथित तौर पर कई जबरन वसूली संबंधी गतिविधियों में शामिल थे। सुरक्षा बलों ने उनके कब्जे से चार ग्रेनेड भी बरामद किए। एक अलग अभियान में, शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले के सानलियाम क्षेत्र में असम राइफल्स की खोंसा बटालियन के समक्ष एनएससीएन (आईएम) का एक सक्रिय सदस्य आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले विद्रोही की पहचान स्वयंभू लेफ्टिनेंट थिनवांग देओसा (60) के रूप में हुई है, जो तिरप जिले के लाजू सर्कल के अंतर्गत सानलियाम गांव का निवासी है।

आकाशीय बिजली के चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के मानिकपुर इलाके में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि मानिकपुर इलाके में खेत में मवेशी को चराने के लिए गया अब्दुल अली आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया।जिसकी वजह से उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के चलते इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

डॉ. अतनु नाथ और चार अन्य सहयोगी शोधकर्ताओं को दिलीप सैकिया ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के नलबाड़ी जिले के टिहू कॉलेज के प्रतिष्ठित फैकल्टी सदस्य डॉ. अतनु नाथ ने भौतिकी के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए विश्व स्तर पर प्रशंसित *ब्रेकथ्रू प्राइज 2026 इन फंडामेंटल फिजिक्स* हासिल किया है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को अक्सर *विज्ञान का ऑस्कर* कहा जाता है। उनकी इस उपलब्धि पर असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। पार्टी प्रवक्ता मानस सरनिया ने शनिवार को जारी आधिकारिक बयान में बताया कि डॉ. नाथ ने अपने असाधारण शोध कार्यों के माध्यम से यह सम्मान अर्जित किया है, जिससे न केवल असम बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2025 में, गौहाटी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. बुद्धदेव भट्टाचार्जी (एएलआईसीई-जीयू सहयोग के समूह नेता), अपने चार शोध सहयोगियों डॉ. नूर हुसैन (सहायक प्रोफेसर, माधव चौधरी कॉलेज, बरपेटा), डॉ. प्रांजल शर्मा (सहायक प्रोफेसर, जागीरोड कॉलेज), बंजीत बर्मन (पीएचडी शोधार्थी, भौतिकी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय) और ध्रुवज्योति चौधरी (सहायक प्रोफेसर, बीबीके कॉलेज, नगांव) के साथ, इस प्रतिष्ठित ब्रेकथ्रू प्राइज से सम्मानित किए गए थे।

अरुणाचल प्रदेश के तिरप में असम राइफल्स के समक्ष एनएससीएन (आईएम) के एक कार्यकर्ता ने आत्मसमर्पण कर दिया

इटानगर। खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक लक्षित अभियान के बाद अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले के सानलियाम क्षेत्र में असम राइफल्स की खोंसा बटालियन के समक्ष एनएससीएन (आईएम) का एक कैडर आत्मसमर्पण कर दिया है। संदिग्ध ठिकाने पर पहुंचने के बाद, सुरक्षाकर्मियों ने उस व्यक्ति से संपर्क स्थापित किया और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित किया। मृतक की पहचान एसएस लेफ्टिनेंट थिनवांग देओसा (60) के रूप में हुई है, जो तिरप जिले के लाजू सर्कल के सानलियाम गांव का निवासी है। उसने एक 7.65 मिमी पिस्टल (अमेरिका में निर्मित), एक मैगजीन और 7.65 मिमी गोला बारूद के सात जिंदा कारतूसों के साथ आत्मसमर्पण किया। अधिकारियों ने कहा कि द्व1द्ध3द्यद्ध संवाद और समझाने-बुझाने के प्रयासों से अंततः विद्रोही हथियार डालने और मुख्यधारा में फिर से शामिल होने के लिए राजी हो गए। आत्मसमर्पण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उस व्यक्ति को सीओबी लाजू में हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान की सफलता सटीक खुफिया जानकारी और बातचीत के प्रयासों का परिणाम थी, जिससे शांतिपूर्ण आत्मसमर्पण सुनिश्चित हुआ। पिछले महीने, अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग में एनएससीएन-आईएम के एक कट्टर कार्यकर्ता ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय श्री जुंग्रोन चेना के रूप में हुई है। चांगलांग जिले की पुलिस लगातार विद्रोही गतिविधियों में शामिल स्थानीय युवाओं को मुख्यधारा में वापस लाने के लिए परामर्श और प्रेरणा देने का काम कर रही है। असम राइफल्स ने कहा कि वह क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और उग्रवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को सामान्य जीवन में लौटने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई पहलों को जारी रखेगी।

कामरूप (मेट्रो) जिले में विश्व मलेरिया दिवस का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। समूचे राज्य के साथ-साथ कामरूप (मेट्रो) जिले में भी आज विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। सोनापुर के कमारकुची उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में इस दिवस को औपचारिक रूप से मनाया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सेवानिवृत्त सहायक स्वास्थ्य सेवा संचालक डॉ. कुमारेंद्र नाथ, सोनापुर खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के उपखंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज मजूमदार, विद्यालय के प्रधानाचार्य शरत बोड़ो, जिला मलेरिया अधिकारी मृदुल तालुकदार, वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की जिला सलाहकार डॉ. सुदर्शना महंत और जिला महामारी विज्ञानी, तृषा कटकी सहित खंड और विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मलेरिया की रोकथाम और नियंत्रण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता सभा, क्विज प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

असम के भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने बिहू कलाकार के निधन पर जताया शोक

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने तामुलपुर जिले के नोवाखाटा में हुई एक हृदय-विदारक सड़क दुर्घटना में गोरेस्वर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत निज्झर गांव निवासी *बिहुवती* (महिला बिहू कलाकार) निशामनि हालोई के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए, सैकिया ने दुर्घटना में घायल कई अन्य बिहुवतियों, बिहुवा (महिला एवं पुरुष बिहू कलाकारों) कलाकारों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की। निशामनि हालोई, एक अत्यंत लोकप्रिय कलाकार थीं, जिन्होंने अपनी मनमोहक बिहू प्रस्तुतियों के माध्यम से राज्य के विभिन हिस्सों में खूब प्रशंसा अर्जित की थी; इस मौसम में वे नलबाड़ी के *भास्करज्योति बिहू-हुसरी समूह* से जुड़ी हुई थीं। उनके अचानक निधन से असम के जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य पर शोक की लहर दौड़ गई है। असम प्रदेस भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता मानस सरनिया ने एक आधिकारिक बयान में बताया है कि दिलीप सैकिया ने एक दुर्लभ और प्रतिभाशाली कलाकार के खोने पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि असम ने एक चमकते हुए सांस्कृतिक व्यक्तित्व को खो दिया है। सैकिया ने आगे कहा कि कुशल बिहू कलाकार निशामनि हालोई का

असामयिक निधन असम की सांस्कृतिक विरासत में एक अत्यंत दुखद अध्याय है। यह एक अपूरणीय क्षति है। अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, सैकिया ने दिवंगत आत्मा की चिर-शांति के लिए प्रार्थना की और शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दुख की इस असहनीय घड़ी में शोक-संतप्त परिवार को शक्ति और धैर्य प्रदान करें। उन्होंने कहा है कि असमिया संस्कृति और परंपरा में निशामनि हालोई का अमूल्य योगदान अमर रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

भारत विकास परिषद, असम प्रांत के वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने भारत विकास परिषद, असम प्रांत के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया, जो आज यहां लोहिया लायंस गुवाहाटी सभागार में आयोजित किया गया था। अपने संबोधन में, राज्यपाल ने संपर्क, सहयोग, मूल्यों, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत विकास परिषद की सराहना की। उन्होंने सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने और पूरे समाज में विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने में संगठन के वर्षों से चले आ रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की। एक विकसित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भारत की परिकल्पना पर जोर देते हुए, राज्यपाल ने देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेने के महत्व पर प्रकाश डाला, जब भारत ज्ञान, विज्ञान, दर्शन और संस्कृति के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता था। उन्होंने राष्ट्र के मूल मूल्यों में दृढ़ता से निहित रहते हुए परंपरा और

आधुनिकता के बीच एक उचित संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भविष्य को आकार देने में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शासन और वाणिज्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उनके परिवर्तनकारी प्रभाव का उल्लेख किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत जैसी राष्ट्रीय पहलों का संदर्भ देते हुए, राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि इनकी सफलता न केवल सरकारी प्रयासों पर, बल्कि सक्रिय जनभागीदारी पर भी निर्भर करती है। एक साझा जिम्मेदारी के रूप में समाज सेवा के महत्व को उजागर करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि स्वैच्छिक संगठन एक समावेशी और प्रगतिशील समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने राष्ट्र की प्रगति के लिए एक प्रेरक शक्ति के रूप में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया, और उन्हें कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता और डिजिटल सशक्तिकरण की ओर प्रोत्साहित करने का आह्वान किया, साथ ही उनमें मजबूत नैतिक मूल्यों और देशभक्ति की भावना का पोषण करने की बात कही। इस अवसर पर राज्यपाल ने एक स्मारिका का विमोचन किया। इस सम्मेलन में असम कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. केएम बुजरबरुवा, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के पूर्व कुलपति प्रो. एम प्रेमजीत सिंह, असम के पूर्व कुलपति (प्रभारी) और उच्च शिक्षा सलाहकार प्रो. देबब्रत दास, तथा भारत विकास परिषद, असम प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. केके बरुवा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

गुवाहाटी की लापता महिला शिलांग में मिली, उसे पोलो इलाके से बचाया गया

शिलांग। पुलिस ने बताया कि असम के गुवाहाटी से लापता हुई 27 वर्षीय महिला को शनिवार को शिलांग के पोलो इलाके से ढूंढकर बचा लिया गया। भबाना शर्मा के रूप में पहचानी गई महिला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के परिसर के पास मिली, जब बैंक कर्मचारियों ने उसे तड़के सुबह परेशान हालत में देखा और पुलिस को सूचित किया। उन्हें तुरंत चिकित्सा परीक्षण के लिए ले जाया गया। पूर्वी खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सिएम ने कहा कि बचाव अभियान विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर चलाया गया था। उन्होंने कहा कि वह पोलो इलाके में मिलीं और उन्हें तुरंत चिकित्सा जांच के लिए ले जाया गया। शर्मा, जो मार्च के अंत तक माइल्स ब्रॉन्सन रेजिडेंशियल स्कूल में एक शिक्षक के रूप में काम कर रही थीं, एक दिन पहले उन परिस्थितियों में लापता हो गई थीं जो अभी भी स्पष्ट नहीं हैं। पुलिस ने बताया कि उसने हाल ही में निजी स्कूल में अपनी नौकरी छोड़ दी थी। अधिकारियों के अनुसार, वह शुक्रवार को टेटेलिया स्थित अपने आवास से निकली और पहले उसने उबर टैक्सी बुक की, जिसे बाद में उसने रद्द कर दिया। इसके बाद उन्होंने रैपिडो की कैब बुक की और पलटन बाजार की ओर रवाना हो गईं। घर से निकलने से पहले उसने अपने परिवार को बताया था कि वह अपना बकाया वेतन लेने के लिए अपने स्कूल जा रही है। चिंता तब पैदा हुई जब उसने कथित तौर पर अपने परिवार को एक संदेश भेजा जिसमें उसने संकेत दिया कि वह टेटेलिया से अजारा की ओर यात्रा करते समय खतरे में थी। इसके बाद, उसके परिवार ने जालुकबारी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके चलते तलाशी अभियान शुरू किया गया। जांचकर्ताओं ने बताया कि उनकी आखिरी ज्ञात मोबाइल लोकेशन गुवाहाटी विश्वविद्यालय क्षेत्र के पास ट्रेस की गई थी, जिसके बाद उनका फोन संपर्क से बाहर हो गया। शिलांग में उसके मिलने तक उससे कोई संपर्क नहीं हो पाया था। उसे वापस लाने के लिए गुवाहाटी से पुलिस की एक टीम शिलांग पहुंच गई है। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि वह शिलांग कैसे पहुंची। मामला अभी प्रारंभिक चरण में है और सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है, एक पुलिस अधिकारी ने बताया। पुलिस ने बताया कि उसकी हालत फिलहाल स्थिर है, जबकि उसके परिवार के सदस्य शिलांग के लिए रवाना हो रहे हैं। उसकी गुमशुदगी और मेघालय की राजधानी में जाने से पहले की घटनाओं के क्रम का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

मेघालय में भाजपा ने महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में विरोध-प्रदर्शन किया

शिलांग। भाजपा की मेघालय इकाई ने शनिवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में विरोध मार्च आयोजित किए और विपक्षी दलों से महिला आरक्षण विधेयक को समर्थन देने का आग्रह किया। ख्यंदैलाद में आयोजित प्रमुख प्रदर्शनों में से एक में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एरेना हिन्निएवता ने पूर्वी खासी हिल्स जिला अध्यक्ष प्रियंबदा ब्लाह और पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। पोलो के पास एक अलग रैली भी आयोजित की गई, जिसमें राज्य सचिव डेनिएला नोंगलाइट, सुसुकी पारियात और एंजी संगमा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुईं। सभा को संबोधित करते हुए, हिनिएवटा ने आशा व्यक्त की कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश भर की विधायी संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने में सफल होगी। पार्टी ने कहा कि प्रस्तावित कानून के लिए व्यापक राजनीतिक समर्थन जुटाने के लिए मार्च आयोजित किए गए थे, जिसे हाल ही में संसद में पेश किया गया है। भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि पार्टी की महिला सदस्य तब तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगी जब तक महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग पूरी नहीं हो जाती।

गुवाहाटी में भारी बारिश का पूर्वानुमान लोगों से सावधानी बरतने की अपील

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में आगामी तीन-चार दिनों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने गुवाहाटी महानगर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली-कड़कने और लगातार बारिश की पूर्वसूचना जारी की है। बारिश की मात्रा 24 घंटे में 7.20 सेंटीमीटर होने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम की भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में गुवाहाटी के विभिन स्थानों पर बिजली कड़कने और भारी बारिश तथा तूफान आने की प्रबल संभावना है। इसके परिणामस्वरूप शहर में कृत्रिम बाढ़ की समस्या बढ़ने से यातायात प्रभावित हो सकता है और संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानीय रूप से भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। गुवाहाटी नगर निगम और असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) स्थिति की निरंतर निगरानी कर रहे हैं और आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्थाओं को तैयार रखा है। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, असम

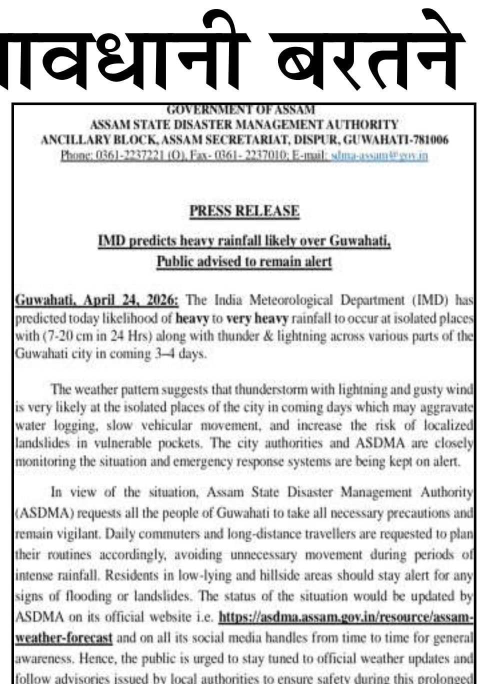

GOVERNMENT OF ASSAM
ASSAM STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY
ANCILLARY BLOCK, ASSAM SECRETARIAT, DISPUR, GUWAHATI-781006
Phone: 0361-2237221 (O), Fax- 0361- 2237010; E-mail: sdma-assam@gov.in

PRESS RELEASE

IMD predicts heavy rainfall likely over Guwahati, Public advised to remain alert

Guwahati, April 24, 2026: The India Meteorological Department (IMD) has predicted today likelihood of **heavy** to **very heavy** rainfall to occur at isolated places with (7-20 cm in 24 Hrs) along with thunder & lightning across various parts of the Guwahati city in coming 3-4 days.

The weather pattern suggests that thunderstorm with lightning and gusty wind is very likely at the isolated places of the city in coming days which may aggravate water logging, slow vehicular movement, and increase the risk of localized landslides in vulnerable pockets. The city authorities and ASDMA are closely monitoring the situation and emergency response systems are being kept on alert.

In view of the situation, Assam State Disaster Management Authority (ASDMA) requests all the people of Guwahati to take all necessary precautions and remain vigilant. Daily commuters and long-distance travellers are requested to plan their routines accordingly, avoiding unnecessary movement during periods of intense rainfall. Residents in low-lying and hillside areas should stay alert for any signs of flooding or landslides. The status of the situation would be updated by ASDMA on its official website i.e. **https://asdma.assam.gov.in/resource/assam-weather-forecast** and on all its social media handles from time to time for general awareness. Hence, the public is urged to stay tuned to official weather updates and follow advisories issued by local authorities to ensure safety during this prolonged spell of rain.

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गुवाहाटी के सभी नागरिकों से आवश्यक सतर्कता बरतने और सावधान रहने की अपील की है। दैनिक यात्रा करने वाले लोग और लंबी दूरी के यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि लगातार बारिश के समय गैर-जरूरी आवागमन से बचें और अपने दैनिक काम-काज की योजना बनाएं। निचले इलाकों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों से बाढ़ या भू-स्खलन के किसी भी लक्षण के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया गया है। परिस्थिति की ताजा जानकारी एएसडीएमए की आधिकारिक वेबसाइट और सभी सोशल मीडिया हैंडल पर समय-समय पर जनता की जागरूकता के लिए अपडेट की जाएगी। इसलिए, जनता से आह्वान किया गया है कि वे सरकारी मौसम अपडेट पर ध्यान दें और इस लंबे वर्षा मौसम में सुरक्षित रहने के लिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

अखिल असम कलिता आलपाइन जनजाति सम्मेलन का वार्षिक पंचांग विमोचित

प्रसिद्ध डॉ. भवेंद्र नाथ कलिता को समर्पित

रंगिया (विभास)। अखिल असम कलिता आलपाइन जनजाति सम्मेलन वर्ष 2026 का वार्षिक पंचांग (दिनपंजी) आज औपचारिक रूप से विमोचित किया गया। यह पंचांग सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्य सलाहकार, कुमार भास्कर वर्मा जीवन ज्योरा साधना-2025 पुरस्कार प्राप्त प्रख्यात डॉ. भवेंद्र नाथ कलिता की स्मृति में समर्पित है। विमोचन उनके गुवाहाटी स्थित निवास पर किया गया। इस भावपूर्ण समारोह में प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित हुए। इनमें केंद्रीय सलाहकार डॉ. हरमोहन कलिता, शुक्लेश्वर कलिता, केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रतुल कुमार कलिता, केंद्रीय समिति के महासचिव मनोज कुमार लहकर, केंद्रीय समिति के सचिव नितुल चंद्र डेका, मंटेश्वर कलिता, महानगर जिला समिति के भारप्राप्त अध्यक्ष रिखव कलिता तथा रंगिया जिला समिति के महासचिव कुलदीप लहकर शामिल थे।

संपादकीय

मतदान के मील-पत्थर

पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का और तमिलनाडु में पूरा मतदान हो गया। लोकतंत्र के लिए यह बेहद सुखद संकेत और रुझान है कि दोनों राज्यों में क्रमशः 92.72 फीसदी और 85.14 फीसदी मतदान के साथ नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। आजकल 60-70 फीसदी मतदान हो जाए, तो राजनीतिक दल और नेतागण राहत की सांस लेते हैं। बंगाल के इस बार के मतदान पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने खुलासा किया है कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक मतदान बंगाल में हुआ है, तो 1967 के बाद पहली बार तमिलनाडु में इतना अधिक मतदान किया गया है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मील-पत्थर गाड़ दिए हैं। ये मतदान इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बंगाल में कुल 91 लाख से अधिक और तमिलनाडु में 57 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए, काट दिए गए थे। अब भी लाखों के मताधिकार अधर में लटके हैं। एसआईआर का खौफ और भय था, ऐसी आशंकाएं भी जताई जा रही थीं कि यदि वोट नहीं देंगे, तो अंततः नागरिकता भी जा सकती है! यहां हम स्पष्ट बता दें कि न तो संविधान में ऐसा कोई प्रावधान है और न ही देश का कानून है कि वोट न देने से नागरिकता रद्द की जा सकती है। आप बहकावे में न आएं, भ्रमित न हों और डरने की कोई जरूरत नहीं है। आपकी भारतीयता कोई खैरात नहीं है। वह आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। बहरहाल बंपर मतदान की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी का 'एग्जिट पोल' दावा कर रहा है कि भाजपा प्रथम चरण की 152 सीटों में से 100 सीटें पार कर चुकी है। हालांकि भाजपा ने 125 सीटों पर प्रचंड जीत का दावा किया है। बंपर मतदान को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी जीत मान रही हैं। इसे 4 मई तक छोड़ देना चाहिए, जिस दिन जनादेश सार्वजनिक होगा। कुछ पेशेवर चुनावी पंडित 'शर्तिया विश्लेषण' करने में जुटे हैं कि भाजपा कुल मिला कर 150-160 सीटें जीत रही है, नतीजतन ममता की 15 साल पुरानी सत्ता ढह रही है और भाजपा की सरकार बन रही है। यह दावा प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक जनसभा में किया था कि इस बार कई जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। प्रधानमंत्री ने ऐसा दावा अपने राजनीतिक अनुभव के आधार पर किया था। यह भी चुनावी और सियासी दावा साबित हो सकता है। यदि ममता बनर्जी 'बंगाली अस्मिता' की प्रतीक न होतीं, तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक मंच से यह घोषणा न करनी पड़ती कि भाजपा मुख्यमंत्री बंगाली होगा, बंगाल में जन्मा और पढ़ा-लिखा होगा तथा बंगला भाषा बोलता होगा। भाजपा कार्यकर्ताओं को 'मछली' लेकर जुलूस न निकालने पड़ते और पार्टी के केंद्रीय मंत्री स्तर के नेताओं को, मंगलवार के दिन, 'मछली-चावल' खाते हुए इंटरव्यू न देने पड़ते। मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा को बंगाल में ही सफाई देनी पड़ रही है। किसी अन्य राज्य में अपवाद हो सकता है, अलबत्ता भावी मुख्यमंत्री को लेकर कोई भी घोषणा नहीं करनी पड़ती। बंगाल और भाजपा के दरमियान चारित्रिक और सांस्कृतिक फासले आज भी हैं। बहरहाल ममता बनर्जी चुनाव हारती हैं, तो एसआईआर के कारण नहीं, बल्कि महिला मतदाताओं के कम वोट के कारण हारेंगी। बेशक मतदान का दिन कई 'मुक्त' के साथ बीता है, लेकिन बंगाल 'हिंसा-मुक्त' नहीं हो पाया। मुर्शिदाबाद इलाके में निवर्तमान विधायक हुमायूं कबीर के वाहन पर पथराव हुआ। उनके साथ हाथापाई भी हुई। इसी तरह कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेन्दु सरकार को लोगों ने भगा-भगा कर पीटा। एक पुलिसिया अंगरक्षक इतनी भीड़ के मुक्के-थप्पड़ों को कैसे रोक सकता था। भाजपा प्रत्याशी ने गली-गली, खेतों से भाग कर जान बचाई। कहां थी 2.40 लाख सुरक्षा बलों के जवानों की सुरक्षा! 2024 में पूरे देश में लोकसभा चुनाव के दौरान कुल 3.4 लाख जवान तैनात किए गए थे। इस बार बंगाल में ही 2.40 लाख जवान और फिर भी पत्थर, बम, लाठी और पिटाई सब कुछ हुआ। गनीमत है कि अभी तक मौत के आंकड़े सुनाई नहीं दिए। बहरहाल तमिलनाडु में भी राजनीतिक संघर्ष खूब तपा हुआ है।

लोकतंत्र के लिए यह बेहद सुखद संकेत और रुझान है कि दोनों राज्यों में क्रमशः 92.72 फीसदी और 85.14 फीसदी मतदान के साथ नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। आजकल 60-70 फीसदी मतदान हो जाए, तो राजनीतिक दल और नेतागण राहत की सांस लेते हैं। बंगाल के इस बार के मतदान पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने खुलासा किया है कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक मतदान बंगाल में हुआ है, तो 1967 के बाद पहली बार तमिलनाडु में इतना अधिक मतदान किया गया है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मील-पत्थर गाड़ दिए हैं। ये मतदान इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बंगाल में कुल 91 लाख से अधिक और तमिलनाडु में 57 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए, काट दिए गए थे। अब भी लाखों के मताधिकार अधर में लटके हैं। एसआईआर का खौफ और भय था, ऐसी आशंकाएं भी जताई जा रही थीं कि यदि वोट नहीं देंगे, तो अंततः नागरिकता भी जा सकती है! यहां हम स्पष्ट बता दें कि न तो संविधान में ऐसा कोई प्रावधान है और न ही देश का कानून है कि वोट न देने से नागरिकता रद्द की जा सकती है।

राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका संघर्षशील व्यक्तित्व ही है

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका संघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है। साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की। ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है। राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा A जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारर्वाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है।

कुछ अलग

लीजिए असली घोषणापत्र

घोषणा पत्र तो आपने बहुत से देखे होंगे। दक्षिणपंथियों का भी देखा होगा, उत्तर पंथियों का भी देखा होगा, पूर्वपंथियों का भी देखा होगा और पश्चिम पंथियों का भी देखा होगा। इसके अलावा और कई छोटे-मोटे पंथियों के भी देखे होंगे जो चुनाव के दिनों में कुकुरमुत्तों की तरह उग आते हैं और फिर चुनाव के बाद गायब हो जाते हैं। इनमें से सारे पंथियों को अगर मिला दिया जाए तो 90 फीसदी घोषणा पत्र महज कागज का पुलिंदा बनकर रह जाते हैं और किसी अलमारी या डस्टबिन की शोभा बढ़ाते रहते हैं। लेकिन मैं इस दावे के साथ मैदान में आया हूं कि मेरा घोषणा पत्र एकदम असली है, शुद्ध है और इसमें कहीं भी कोई मिलावट नहीं है, जैसे इंडिया में देसी घी और दूध में कोई मिलावट नहीं होती। अगर होती भी है तो सिर्फ मन का वहम होता है। मैंने अपने घोषणा पत्र में लोगों को कोई सब्जबाग नहीं दिखाए हैं। कोई आसमान से तारे तोड़ लाने की बात नहीं कही है। कोई भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश या देश बनाने की बात नहीं कही है। कहीं भी ईमानदारी की कोई बात नहीं कही है। कहीं पर भी अफसरशाही पर लगाम लगाने की कोई बात नहीं कही है। और कहीं पर भी अफसरशाही को खुली छूट देने की बात भी नहीं कही है। कोई चीज मुफ्त में देने की बात भी नहीं कही है। जो कुछ कहा है, ईश्वर को साक्षी मानकर कहा है। इसलिए जो लोग ईश्वर पर भरोसा रखते हैं, उन्हें मेरे घोषणा पत्र पर भी भरोसा करना होगा। मेरे तमाम वादे लंबी अवधि के हैं। मैं वादों को 5 साल या 10 साल की सीमा में नहीं बांधना चाहता। क्योंकि 10 साल के बाद भी इलेक्शन आएंगे। फिर मैं कोई नया घोषणा पत्र बनाने की जहमत नहीं उठाऊंगा।

देश दुनीया से

भारत नरक नहीं, स्वर्ग का अहसास है, मानवता का वैभव, सभ्यता का प्रकाश है!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए अब तक कई बार ऐसे तीखे या अपमानजनक बयान दिए हैं जिनके पश्चात उन्होंने या तो रुख बदल दिया या सॉफ्ट स्टेटमेंट जारी करके अपनी बात पर "यू टर्न" लेकर साफ साफ मुकर जैसा अंदाज़ दिखाया है। हाल ही में फिर उन्होंने "नरक जैसा देश" वाला बयान दिया और फिर यू टर्न ले लिया। उनका रवैया दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले सर्वाधिक विकसित और धनी देश अमेरिका के शालीन, सभ्य और सुसंस्कृत होने पर सवालिया निशान लगाने को काफी है। खासकर भारत के खिलाफ जिसका अंतर्राष्ट्रीय आचरण सदैव मर्यादित रहता आया है। भारत पैसे वालों की कद्र नहीं करता, क्योंकि यह तो देशी-विदेशी अपराधियों और वेश्याओं के पास भी खूब होता है, लेकिन सामाजिक प्रतिष्ठा बिल्कुल नहीं होती। ट्रंफ के नेतृत्व में अमेरिका इसी फूहड़ता से ग्रसित है, अभिशप्त है और अंतर्राष्ट्रीय गुंडई में इतना आगे निकल चुका है कि उसके मित्र देश भी उसके साथ खड़े होने में परहेज कर रहे हैं और उसे यूज एंड थ्रो कर रहे हैं। ईरान-अमेरिका युद्ध ने अमेरिका की पूरी मिट्टी पलीद कर दी है और उसके डीप स्टेट की जो भद्द पिटी है, वैसा कोई उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। शायद इसी खीझ का नाता ट्रंफ के नारकीय विवाद से है। आइए, जानते हैं कि सबसे हाल का विवाद 24 घंटे में ही कैसे दोनों ध्रुवों पर घूम गया, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रुथ सोशल" पर एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट का हिस्सा शेयर किया, जिसमें भारत और चीन जैसे देशों को "नरक" (hellholes / hell on earth) जैसी जगह बताया गया। इस पोस्ट में भारतीयों के बारे में नस्लवादी टिप्पणी भी थी कि भारत-चीन से लोग अमेरिका आते हैं बस यहीं बच्चे पैदा करने के लिए ताकि उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिकता मिल जाए, जो भारतीय डिप्लोमैसी और जनता के लिए बेहद अपमानजनक माना गया। फिर अगले ही नए बयान में ट्रंप ने रुख पूरी तरह बदल दिया, क्योंकि समझ में आ गया कि ये मोदी का भारत है, चुपचाप उल्टा लटका देगा। कोई काम नहीं आएगा, जब कूटनीतिक शतरंज की एक चाल चल देगा तो। लिहाजा, उन्होंने जनता के बीच और अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता के जरिए कहा कि भारत "एक महान देश" (a great country) है, "मजबूत और महान राष्ट्र" है और भारत के शीर्ष नेता (प्रधानमंत्री मोदी) के साथ उनकी "निजी दोस्ती" है। काबिलेगौर है कि इस तरह 24 घंटे के अंदर वही शख्स जो भारत को "hard to deal with" या नरक जैसी जगह कह चुके थे, उसी देश की तारीफ़ में बोलने लगे, जिसे राजनीतिक यू टर्न और दबाव में बदला गया माना जा रहा है। अब इनकी टैरिफ और "टैरिफ किंग" वाली पुरानी टिप्पणी को स्मरण करा देते हैं। इसके अलावा ट्रंप ने व्यापार के मसले पर भी दोहरा अपना बयान दिया है। अपने कई इंटरव्यू और भाषणों में उन्होंने भारत को "टैरिफ किंग" (tariff king) कहा है, और यह कहा है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है, जिससे अमेरिकी उत्पादों को नुकसान होता है। इसी क्रम में उन्होंने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी, लेकिन एक ही हवन में ही यह भी कहा कि भारत के साथ "बहुत अच्छे संबंध" हैं, यानी एक ही बयान में औपचारिक तारीफ़ और व्यावहारिक धमकी दोनों। निष्कर्षन के तौर पर पैटर्न यह दिखता है कि ट्रंप ने भारत के लिए एक बार नफरत भरी, नस्लवादी, "नरक जैसा देश" वाली भाषा इस्तेमाल की, और फिर तुरंत मिटाने के लिए भारत को "महान देश" और प्रधानमंत्री मोदी को "अपना दोस्त" कहकर मुकर जैसा कर दिया। वहीं, व्यापार के मोर्चे पर भारत को "टैरिफ किंग" और हानिकारक बताने के साथ साथ राजनयिक रूप से "अच्छे रिश्ते" बताकर दोहरा रुख अपनाया है। इसी प्रकार ट्रंप भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी भी करार दे चुके हैं टैरिफ वार की खींझ में। उनके इस रवैये से भारत का अविश्वास अमेरिका और उनके प्रति बढ़ा है। स्पष्ट है कि अमेरिका के सफल बिजनेसमैन और शातिर राजनेता से राष्ट्रपति बने डॉनल्ड ट्रंप अपने सिरफिरे विचारों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जब से वो डीप स्टेट के हाथों का खिलौना बने, अपने अनाप-शनाप और अदूरदर्शिता भरे फैसलों से अंतरराष्ट्रीय जगत में अमेरिका की थू-थू करवा रखी है। पहले ट्रेड वार और अब सैन्य वार के बाद उसकी जो अंतरराष्ट्रीय फजीहत हुई है, उसके जैसे सो कॉल्ड देश ताकतवर की कलई खुल गई। यूक्रेन से शुरू हुई कूटनीतिक दोगलागिरी ईरान पहुंचते-पहुंचते न केवल चारो खाने चित्त हो गई, बल्कि आज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ की बयानबाजी अब समझदार लोगों के लिए कोई मायने नहीं रखी। कभी वह भारत को ₹डेड इकोनॉमी₹ बताते हैं, तो कभी नरक जैसा देश! शायद इसलिए कि भारतीय नेतृत्व उनके इशारों पर नहीं थिरक रहा है, जिससे रूस-चीन भी उसे भाव देना बंद कर चुके हैं। दुनिया का थानेदार अमेरिका को बेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के बाद जब कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने यह समझ लिया कि रूस-चीन भी उससे डरे हुए हैं। इसी उत्साह में अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर धावा बोल दिया और महज दो माह के भीतर ही परेशान हो उठा। इससे ईरान-रूस-चीन की संयुक्त ताकत का उसको एहसास हुआ। वहीं इसी मुद्दे पर नाटो में फूट भी पड़ गई और यूरोप तटस्थ बन गया। इसी बौखलाहट में ट्रंफ भारत और चीन को नरक जैसा बताने लगे। बताते चलें कि भारत और चीन जैसी प्राचीन सभ्यताओं को ₹नरक₹ बताने का संदर्भ हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने जन्मसिद्ध नागरिकता (birthright citizenship) के मुद्दे पर भारत-चीन को ₹hellhole₹ कहा। यह बयान ट्रंप की इमीग्रेशन पॉलिसी से प्रेरित है, जहां वे आरोप लगाते हैं कि इन देशों से प्रवासी अमेरिका की सुविधाओं का दुरुपयोग करते हैं। जबकि ऐतिहासिक वास्तविकता कुछ और है, जो कई मायने में गौरवशाली भी है। वास्तव में, भारत और चीन दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं, जिन्होंने ज्ञान, संस्कृति और व्यापार में दुनिया को प्रभावित किया—चीन भारत को कभी ₹स्वर्ग से बढ़कर₹ मानता था। जबकि अमेरिका की कोई प्राचीन सभ्यता नहीं है; यहां माया-इंका जैसी मूल निवासी सभ्यताएं 3000 ईसा पूर्व की हैं, लेकिन आधुनिक अमेरिका 15वीं शताब्दी के बाद यूरोपीय उपनिवेशवाद से उभरा है। अब तो यूरोप भी उससे दूर होते जा रहा है। तो जवाब होगा कि ट्रंप जैसे अधकपाली नेता अमेरिका को ₹स्वर्ग₹ के रूप में पेश करते हैं क्योंकि यह उच्च जीवन स्तर, आर्थिक अवसरों और कानून के शासन के लिए जाना जाता है, लेकिन यह धारणा चुनिंदा है—अमेरिका में भी गरीबी, असमानता और अपराध मौजूद हैं। भारत-चीन की आबादी और विकास चुनौतियां उन्हें नजरअंदाज कर ₹नरक₹ कहना राजनीतिक प्रचार है, जबकि ये देश तेजी से उभर रही महाशक्तियां हैं।

आप का नजरीया

आमदनी बढ़ाने के नए खाते

आमदनी बढ़ाने की तरकीबों में हिमाचल सरकार ने कई खाते खोले हैं और इसलिए कल तक मुफ्तखोरी के शिकार डाकबंगले आज वित्तीय इज्जत कमाने लगे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल भवन, सदन और सर्किट हाउसों के कुछ चयनित कमरे अब नई दरों के बर्नर पर रखे गए हैं। अगर दिल्ली, चंडीगढ़ व शिमला के अलावा सर्किट हाउस के कमरों में ठहरने की दरें करवटें लेती हैं, तो बारह सौ के कालीन आगे चलकर एक रात्रि तक विश्राम के चार हजार काट लेंगे। यह फैसला हालांकि किन्हीं कारणों से अभी सूची पर नहीं चढ़ा, लेकिन इस ख्वाहिश के अमल में आने से ठहरने के सरकारी इंतजाम महंगी वसूली करेंगे। आखिर डाक बंगलों से सर्किट हाउस और उससे आगे हिमाचल सदन और भवन के वर्गीकृत कमरों का आबंटन, अब नई दुकानदारी के मोह में फंस गया तो इससे जुड़ी अपेक्षाएं भी तो बढ़ेंगी। हिमाचल की डाक बंगला संस्कृति, एक रुआब, एक अधिकार, एक पहुंच और सत्ता का दबाव ही तो है, जो वक्त-वक्त पर खिल रहा। प्रदेश के हर महकमे के किरदार में रेस्ट हाउस निर्माण की कला को नापते-तोलते आज स्थिति इस मुकाम पर पहुंची है कि ये सारी संपत्तियां अलाभकारी तथा बुनियादी असमर्थता का शिकार हो रही हैं। इन्हें प्रदेश की आवभगत में स्वीकार करें, तो भी वर्तमान स्थिति सुधारनी पड़ेगी, वरना संपत्तियों को आज तक किसी न किसी प्रभाव से चरने का रिवाज सा शुरू हो गया है। प्रदेश में करीब दो हजार डाक बंगले, सर्किट हाउस, सदन और भवन हैं, लेकिन इनके प्रबंधन का ढांचा बिखरा हुआ है। कमोबेश हर विभाग ने अपने वित्तीय व्यवस्था या बजट की उपलब्धता से रेस्ट हाउस तो बना दिए, लेकिन रखरखाव के लिए कोई स्थायी प्रबंधन विकसित नहीं हुआ। ऐसे में रेस्ट हाउस सिर्फ विभागीय प्रदर्शन की एक फिजूलखर्ची ही साबित हुए। इनके औचित्य और योगदान पर ही संदेहों की पपड़ी है, तो कौन संचालन की एकरूपता पर विचार करता। खैर रेट बढ़ाने के कागजी फैसले तो प्रभावित करेंगे, लेकिन अब इस व्यवस्था को निपुणता के साथ चाक चौबंद करने की जरूरत है। रेस्ट हाउस प्रणाली ब्रिट्रिश पीरियड की शब्दावली है, जो वीआईपी होने के तमाम सबूतों के साथ मेहमानबाजी का अलख जगाती रही है। यह व्यवस्था केवल रात्रि विश्राम का कमरा नहीं, सरकार की कलगी में अदब का एक ऐसा तरीका बन चुका है, जहां प्रभावशाली होने के तमाशे होते हैं। कम से कम वित्तीय जवाबदेही, उचित प्रबंधन तथा पारदर्शी बुकिंग के हिसाब से विश्राम गृहों की श्रृंखला को वित्तीय अनुशासन की परिपाटी से जोडना होगा। होना तो चाहिए कि सारे डाक बंगले एक ही छत के नीचे आएं यानी शहरों के स्तर तथा प्रशासनिक भूमिका के अनुरूप यह तय किया जाए कि संयुक्त विश्राम गृह कितने कमरे का बनाया जाए। हमीरपुर जैसे शहर में अगर पचास कमरों का एक कंबाइंड रेस्ट हाउस बना कर पर्यटन निगम के हवाले कर दिया जाए, तो न औचित्य पर प्रश्न उठेंगे और न ही व्यवस्था पर अंगुली उठेगी। इस तरह शहर में बिखरे विभिन्न डाक बंगलों का अन्य कार्यों या कार्यालयों के लिए इस्तेमाल हो सकता है। दिल्ली चंडीगढ़ में हिमाचल भवन व सदनों के अलावा हिमाचल की जनता के लिए बेहतर प्रबंधन के तहत कम से कम पचास से सौ कमरों के डाक बंगले संचालित किए जाएं। हिमाचली यात्रियों या पर्यटकों की दृष्टि से हरिद्वार जैसे स्थान पर भी कम से कम सौ कमरों का परिसर तैयार हो, तो पर्यटन निगम के माध्यम से श्रद्धा का आसन सुकून से बिछेगा। ऐसे में अगर सरकार हिमाचल के सदन, भवन व सर्किट हाउस का किराया बढ़ाना चाहती है, तो यह वर्गीकरण व सुविधाओं के आधार पर हर रेस्ट हाउस तक संभव हो सकता है, वरना निजी होटलों की कतार से तो अभी एचपीटीडीसी के होटल भी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ कर, बिकने की तादाद बढ़ा रहे हैं।

दिल्ली, चंडीगढ़ व शिमला के अलावा सर्किट हाउस के कमरों में ठहरने की दरें करवटें लेती हैं, तो बारह सौ के कालीन आगे चलकर एक रात्रि तक विश्राम के चार हजार काट लेंगे। यह फैसला हालांकि किन्हीं कारणों से अभी सूची पर नहीं चढ़ा, लेकिन इस ख्वाहिश के अमल में आने से ठहरने के सरकारी इंतजाम महंगी वसूली करेंगे। आखिर डाक बंगलों से सर्किट हाउस और उससे आगे हिमाचल सदन और भवन के वर्गीकृत कमरों का आबंटन, अब नई दुकानदारी के मोह में फंस गया तो इससे जुड़ी अपेक्षाएं भी तो बढ़ेंगी। हिमाचल की डाक बंगला संस्कृति, एक रुआब, एक अधिकार, एक पहुंच और सत्ता का दबाव ही तो है, जो वक्त-वक्त पर खिल रहा। प्रदेश के हर महकमे के किरदार में रेस्ट हाउस निर्माण की कला को नापते-तोलते आज स्थिति इस मुकाम पर पहुंची है कि ये सारी संपत्तियां अलाभकारी तथा बुनियादी असमर्थता का शिकार हो रही हैं। इन्हें प्रदेश की आवभगत में स्वीकार करें, तो भी वर्तमान स्थिति सुधारनी पड़ेगी, वरना संपत्तियों को आज तक किसी न किसी प्रभाव से चरने का रिवाज सा शुरू हो गया है। प्रदेश में करीब दो हजार डाक बंगले, सर्किट हाउस, सदन और भवन हैं, लेकिन इनके प्रबंधन का ढांचा बिखरा हुआ है। कमोबेश हर विभाग ने अपने वित्तीय व्यवस्था या बजट की उपलब्धता से रेस्ट हाउस तो बना दिए, लेकिन रखरखाव के लिए कोई स्थायी प्रबंधन विकसित नहीं हुआ। ऐसे में रेस्ट हाउस सिर्फ विभागीय प्रदर्शन की एक फिजूलखर्ची ही साबित हुए।

दृष्टि कोण

अंबेडकर का संविधान भारतीय विपक्ष को खतरा

भारत की विपक्षी पार्टियों के सामने एक गंभीर दुविधा है : वे एक ऐसे संविधान की रक्षा कर रहे हैं जिसका इस्तेमाल अक्सर उन्हें कमजोर करने के लिए किया जाता है। गणराज्य के शुरुआती वर्षों से ही सत्तारूढ़ दलों ने संविधान में निहित सत्ता के केंद्रीकरण का फायदा उठाकर विपक्ष को हाशिए पर धकेला है। इसके लिए गिरफ्तारियां, चुनावी हेरफेर, विपक्षी समूहों पर प्रतिबंध, विपक्ष-शासित राज्य सरकारों की बर्खास्तगी, और आपत्तियों के बावजूद संसद से कानून पारित कराना जैसी रणनीतियां अपनाई गई हैं। फिर भी विपक्षी दल शायद ही कभी संविधान की इन संरचनात्मक खामियों को चुनौती देते हैं या सुधारों का प्रस्ताव रखते हैं। उन्हें डर रहता है कि ऐसा करने पर उन्हें 'एंटी-अंबेडकर' करार दिया जाएगा और दलित समर्थन खोना पड़ेगा। दलित भारत की आबादी का लगभग 17 फीसदी हैं, यानी 20 करोड़ से अधिक लोग, जो एक निर्णायक चुनावी वर्ग हैं और आज भी बीआर अंबेडकर का गहरा सम्मान करते हैं। यह हिचकिचाहट महंगी पड़ती है। संविधान की केंद्रीकरण प्रवृत्तियों ने बार-बार विपक्ष की अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता को कमजोर किया है। कश्मीर इसका एक स्पष्ट उदाहरण है। 1953 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राज्य के संवैधानिक प्रमुख करण सिंह पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर शेख अब्दुल्ला की सरकार को बर्खास्त कर दिया, जब अब्दुल्ला ने उनका विरोध करना शुरू किया। अब्दुल्ला को निवारक नजरबंदी कानूनों के तहत जेल में डाल दिया गया, जिनमें बिना मुकदमे के कैद की अनुमति थी, और वे लगभग 13 साल तक हिरासत में रहे। इस दौरान नेहरू ने राज्य के नेतृत्व को नियंत्रित किया और व्यापक रूप से धांधली माने जाने वाले चुनावों के जरिए वफादार मुख्यमंत्रियों को स्थापित किया। 1981 से 1984 तक राज्यपाल रहे बीके नेहरू ने बाद में लिखा कि 1953 से 1975 तक राज्य के मुख्यमंत्री वास्तव में 'दिल्ली के नामित' थे, जिन्हें 'नाटक और पूरी तरह धांधली वाले चुनावों' के जरिए वैधता दी गई थी। नेहरू ने 1962 में अपनी चीन नीति के आलोचकों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की। ज्योति बसु और सैकड़ों अन्य लोगों को एक निवारक नजरबंदी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया, जिसे विपक्ष के कड़े विरोध के बावजूद संसद ने पारित किया था। 1970 के दशक के मध्य में आपातकाल के दौरान यह पैटर्न और तेज हो गया। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' का हवाला देते हुए अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया और हुक्मनामों के जरिए शासन किया। मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए और 1 लाख से अधिक राजनीतिक विरोधियों, जिनमें अटल बिहारी वाजपेयी और जयप्रकाश नारायण शामिल थे, को जेल में डाल दिया गया। उनकी सरकार ने 42वां संशोधन भी पारित किया, जिसने प्रधानमंत्री कार्यालय में सत्ता का केंद्रीकरण काफी बढ़ा दिया। लेकिन उनके ये कदम संविधान की सीमाओं के भीतर थे और कानूनी जवाबदेही से सुरक्षित थे। 1990 के दशक तक संविधान का इस्तेमाल विपक्ष-शासित राज्य सरकारों को भंग करने के लिए भी किया जाता रहा। सरकारिया आयोग ने 1951 से 1987 के बीच राष्ट्रपति शासन के 57 मामलों की समीक्षा की और पाया कि लगभग आधे मामले केंद्र सरकार के हितों से प्रेरित थे। यह प्रथा 1994 में सुप्रीम कोर्ट के बोम्मई फैसले के बाद ही कम हुई, जिसने ऐसे कदमों को न्यायिक समीक्षा के दायरे में ला दिया।

पंजाब के एक्साइज इंस्पेक्टर का सिरसा में मिला शव

सिरसा (हिंस)। जिले के उपमंडल डबवाली क्षेत्र से पुलिस ने कार से पंजाब के मोगा में तैनात एक्साइज इंस्पेक्टर का शव बरामद किया है। साथ ही पुलिस को कार से लोडिड पिस्टल भी मिली जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। शनिवार को शव का डबवाली के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मौत का कारण हार्ट अैटक बताया जा रहा है। शुक्रवार देर रात्रि को पुलिस को सूचना मिली कि गांव डबवाली-जोगेवाला के बीच भारतमाला रोड क्षेत्र में एक कार खड़ी है। पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और कार की तलाशी ली तो सीट पर एक व्यक्ति मृत पड़ा था। दस्तावेजों के अधार पर मृतक की पहचान पंजाब के लुधियाना निवासी कर्मजीत सिंह चीमा के रुप में हुई। मृतक मोगा में एक्साइज इंस्पेक्टर तैनात था। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन शनिवार सुबह डबवाली के नागरिक अस्पताल में पहुंचे और शव की शिनाख्त कर्मजीत के रूप में की।

लालू की पाठशाला इतनी ही मजबूत होती, तो उनके करीबी नेता भाजपा में क्यों आते : गिरिराज सिंह

पटना (हिंस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव के *लालू की पाठशाला* वाले बयान का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि *लालू की पाठशाला* इतनी ही मजबूत और प्रभावी होती, तो उनके करीबी नेता वहां से निकलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन क्यों थामते। शनिवार को बेगूसराय पहुंचे गिरिराज सिंह ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में परिवारवाद अपने चरम पर है। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के कारण कई नेताओं को अलग रास्ता चुनना पड़ा और उन्होंने भाजपा का रुख किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा

एक व्यापक विचारधारा वाली पार्टी है, जिसे उन्होंने *गंगा और समुद्र* की संज्ञा दी। उनके अनुसार, भाजपा में शामिल होने वाले नेता किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी इच्छा, विश्वास और विचारधारा के कारण पार्टी का हिस्सा बनते हैं। गिरिराज सिंह ने उदाहरण देते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और भाजपा की विचारधारा को मजबूत कर रहे हैं। कर्नाटक की राजनीति पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने दावा किया कि जैसे पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन की स्थिति बन रही है, वैसे ही कर्नाटक में भी कांग्रेस सरकार का भविष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वहां भी बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि पीडीएस घोटाले में हो रही कार्रवाई भ्रष्टाचार की पोल खोल रही है। उन्होंने कहा कि जो जैसा करेगा, उसे वैसा ही परिणाम भुगतना पड़ेगा।

जनगणना में लापरवाही क्षम्य नहीं होगा मुकदमा : जिलाधिकारी

देवरिया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में जनगणना 2027 के पहले चरण की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने शनिवार को अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जनगणना में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 7 से 21 मई तक स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) और 22 मई से 20 जून तक घर-घर सर्वे (मकान सूचीकरण) का कार्य कराया जाएगा। स्वगणना के दौरान नागरिक ऑनलाइन पोर्टल या क्यूआर कोड के माध्यम से स्वयं अपने और अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर संपर्क, जनप्रतिनिधियों का प्रशिक्षण, स्कूल-कॉलेजों में कार्यक्रम और विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें भाग लें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग अपने स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करें और लोगों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएं। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के साथ पोस्टर, बैनर और पंपलेट

के जरिए भी अभियान को गति दी जाएगी। शिक्षकों, व्यापारियों और स्वयंसेवी संगठनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वगणना के बाद 22 मई से गणनाकर्मी घर-घर जाकर प्रत्येक मकान का विवरण दर्ज करेंगे। इस दौरान पूरे अभियान की लगातार निगरानी और समीक्षा होगी और जरूरत पड़ने पर तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की है कि वे सही और पूरी जानकारी देकर इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करें। प्रशासन ने प्रशिक्षण को लेकर सख्त रुख अपनाया है।

देश में महिला आरक्षण को तुरंत लागू करे केंद्र सरकार

धौलपुर (हिंस)। कांग्रेस ने महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग की है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं ने शनिवार को मीडिया से वार्ता की। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव साफिया जुबेर ने कहा कि संसद द्वारा सर्व सहमति से महिला आरक्षण बिल 2023 में पास हो चुका है। परंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब महिलाओं को गुमराह करने का काम कर रही है। उन्होंने देशभर में महिला आरक्षण विधेयक को मौजूद सीटों पर ही तुरंत लागू करने की मांग की। करौली-धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव ने कहा कि सांसद भजनलाल जाटव ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की आधी आबादी को आज भी अपने हक के लिए इंतजार करना पड रहा है। महिला आरक्षण को तुरंत लागू किया जाना चाहिए। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष तथा राजाखेडा विधायक रोहित बोहरा ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 में पारित हो चुका है। लेकिन भाजपा सरकार इसे लागू नहीं करना चाहती। भारतीय जनता पार्टी की सरकार महिला विरोधी है तथा उसकी कथनी और करनी में अंतर है। आने वाले समय में आधी आबादी भाजपा को सबक सिखाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं बसेडी विधायक संजय कुमार जाटव ने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने के पक्ष में है। महिला आरक्षण को लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस जिले में विशेष जागरुकता अभियान चलाकर भाजपा की दोहरी नीति को उजागर करेगी। धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाहा ने कहा कि महिला आरक्षण के भीतर ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से कोटा निर्धारित किया जाना चाहिए, ताकि समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस मौके पर कांग्रेस सेवादल की जिला अध्यक्ष समृद्धि दीक्षित एवं सरमथुरा पंचायत समिति की प्रधान दोपदी देवी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन कांग्रेस संगठन महासचिव धनेश जैन ने किया।

कैंसर बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाएं : उपराष्ट्रपति

जयपुर (हिंस)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि कैंसर से लड़ने और विजय प्राप्त करने के लिए मस्तिष्क से मजबूत रहना जरूरी है। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए विशेष रूप से युवाओं से नशीले पदार्थों और तंबाकू आदि से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार के अंतर्गत कीमोथेरेपी जैसी कठिन उपचार विधि के स्थान पर नवीनतम चिकित्सा अनुसंधानों में टैबलेट के जरिए उपचार की पहल उत्साहजनक है। उपराष्ट्रपति शनिवार को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में कैंसर सरवाइवर्स डे के अवसर पर कैंसर सोसाइटी द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शुद्ध पानी की उपलब्धता सबके लिए आवश्यक है। प्रतिवर्ष कैंसर के रोगी बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत कैंसर के उपचार के तहत कैंसर रोगियों को प्रति वर्ष पांच लाख तक का निश्‍शुल्क इलाज

मिलता है। इसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसे प्रमुख कैंसर उपचार शामिल हैं। यह योजना देशभर के सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में ब्रेस्ट, फेफड़े और मुंह के कैंसर सहित अन्य प्रकारों के इलाज को कवर करती है। गरीब मरीजों के इलाज के लिए एकमुश्त 15 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भी ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत राशि का व्यय कैंसर बचाव के लिए किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर इस समय देश में द्वितीय सबसे अधिक होने वाला कैंसर है। इसके बचाव के लिए वेक्सिनेशन के साथ उपचार के लिए कारगर प्रयासों की पहल केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई है। राजस्थान कैंसर से लड़कर उससे मुक्त होने वालों में अग्रणी है। जो लोग कैंसर से लड़कर आज यहां उपस्थित हैं, वे प्रेरणा देने वाले हैं। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि जिस तरह से टीबी मुक्त अभियान चलाकर उससे मुक्ति के प्रभावी प्रयास हुए हैं, उसी तरह कैंसर मुक्त राजस्थान अभियान चलाकर प्रभावी प्रयास किए जाने की जरूरत है। बागड़े ने कहा कि तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट वालों को कैंसर अधिक होता है। इसलिए इनसे बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वातावरण जीवन को ऊर्जा देता है। जल में घुलने वाले केमिकल, खेती में रसायनिक उर्वरकों के उत्पादों से कैंसर होता है। इसलिए आमजन को शुद्ध पानी, केमिकल मुक्त उत्पाद कैसे मिले, इस पर अधिकाधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि कैंसर जागरूकता के लिए प्रभावी प्रयास जरूरी है। उन्होंने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इससे पहले उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन, राज्यपाल बागडे तथा चिकित्सा मंत्री खींवसर ने कैंसर सर्वाइवर से संबंधित फिल्म का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. राधामोहन अग्रवाल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वन्यजीवों के लिए सिर्फ छह लाख का बजट

चिन्हित स्थानों पर टैंकरों से पहुंचाया जाएगा पानी

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर रेंज में वन विभाग ने भीषण गर्मी के बीच वन्यजीवों को राहत देने के लिए सिर्फ छह लाख रुपए का बजट जारी किया है। इसके तहत जंगलों में जल संकट से निपटने के लिए 38 स्थानों पर टैंकरों के जरिए पानी पहुंचाया जाएगा। विभाग ने गर्मी के प्रभाव को देखते हुए यह कदम उठाया है, ताकि वन्यजीवों को पर्याप्त पानी मिल सके और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। दरअसल, भीषण गर्मी के चलते प्राकृतिक जलस्रोत सूखने लगे हैं, जिससे खुले में विचरण करने वाले वन्यजीवों के सामने पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। वन्यजीव प्रभाग जोधपुर ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तीन रेंजों में वन्यजीव बहुल क्षेत्रों का सर्वे कराया। सर्वे के बाद 38 ऐसे स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां टांकों और तालाबों के जरिए पानी की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए जून तक टैंकरों से पानी पहुंचाने का प्लान बनाया गया है, जिसके लिए सरकार ने कुल 6 लाख रुपए का बजट जारी किया है। हालांकि, प्रादेशिक वन मंडल के अंतर्गत आने वाले बिलाड़ा, भोपालगढ़, ओसियां, बालेसर, शेरगढ़, फलोदी और बाप रेंज के वॉटर पॉइंट्स के लिए महज दो लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। पूरे ग्रीष्मकाल के लिए यह राशि बेहद कम मानी जा रही है, जिससे वन विभाग के सामने चुनौती और बढ़ गई है। वन विभाग को मिला सीमित बजट हालात से निपटने के लिए नाकाफी साबित हो रहा है, जिसे विशेषज्ञ ऊंट के मुंह में जीरा बता रहे हैं।

उप्र 2027 का चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ेंगे : रामदास आठवले

लखनऊ (हिंस)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री डॉ. रामदास आठवले ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कहा कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। आठवले ने कहा कि वह उप्र में ब्लाक स्तर पर मजबूत संगठन तैयार कर रहे हैं, जिससे आने वाले चुनाव में जनता की आवाज को प्रभावी तरीके से उठाया जा सके। आठवले ने लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में महत्वपूर्ण घटक दल है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। इसके लिए उन्होंने 25 सीटों पर गठबंधन में चुनाव लड़ने की इच्छा जताई। हालांकि साथ ही यह भी कहा कि अगर उनकी यह मांग पूरी नहीं होती है तो पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलित बाहुल्य सीटों पर पार्टी की मजबूत दावेदारी है। आठवले ने महिला आरक्षण पर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस को विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि यह दोनों पार्टी महिला विरोधी हैं और महिलाओं के विकास में बाधा पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सत्ता में रही, अब उनकी एक सीट मात्र है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आठवले ने दलित बाहुल्य गांव में समाज भवन बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि समाज भवन बनकर उनका संचालन की जिम्मेदारी दलितों को दी जाए। उनके साथ इस मौके पर आरपीआई के प्रदेश अध्यक्ष पवन गुप्ता भी मौजूद रहे। पवन गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से मिलकर मांग पत्र देंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री आठवले ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की गुण्डागर्दी नहीं चल पाई। इस बार बंपर मतदान हो रहा है। हमारा अनुमान है कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा नीत एनडीए की सरकार बनेगी।

कुत्ते ने डेढ़ महीने के मासूम को नोचा, आंतें बाहर आईं

अजमेर (हिंस)। अजमेर जिले के 40 किलोमीटर दूर पीसांगन कस्बे में स्थित कालेसरा गांव की एक झोपड़ी में शुक्रवार रात को गली के कुत्ते ने एक डेढ़ माह के मासूम को अपना निवाला बनाने के लिए हमला बोल दिया। मासूम की मां उस समय झोपड़ी के बाहर रसोई में खाना बना रही थी। झोपड़ी के भीतर उसके दो बच्चे एक तीन साल का अरविंद और दूसरा डेढ़ माह का बेटा सांवरा सो रहे थे। गली के कुत्ता उसकी नजर बचकर झोपड़ी में घुस गया और उसके डेढ़ साल के बेटे सांवरा पर हमला बोल दिया। पीड़ित मासूम सांवरा की चीख सुनकर जब उसकी मां 30 वर्षीय केलम झोपड़ी में पहुंची तो पाया कि उसके बेटे सांवरा को एक कुत्ते ने अपने मुंह में दबोच रखा है। उसने कुत्ते के जबड़े से बच्चे को बचाने के लिए 5 मिनट तक संघर्ष किया और उससे छुड़ा कर कुत्ते के बाहर भागने तक उस पर लेट गई। केलम का कहना रहा कि इस दौरान उसका दूसरा बेटा जिसे उसने कंबल उड़ाकर सुलाया था वह कुत्ते की नजर से बच गया। बच्चों के पिता को सूचित किया गया तो वे गांव से किराए की गाड़ी लेकर बच्चे को अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचे। यहां डाक्टरों ने रात में ही प्राथमिक सर्जरी कर बच्चे की जान बचाने की कोशिश की। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने बताया कि झोपड़ी में सो रहे बच्चे पर कुत्ते ने हमला किया था। उसका इलाज चल रहा है। उसकी स्थिति सामान्य होने पर सर्जरी की जाएगी। जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने बताया कि बच्चे की स्थिति गंभीर और नाजुक है। वह फिलहाल कोमा में है और वेंटीलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। मेडिकल बोर्ड का गठन कर दिया गया है। डॉ. गरिमा अरोड़ा के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई है जो 24 घंटे बच्चे की निगरानी कर रही है। डॉक्टरों के अनुसार जब बच्चे की स्थिति स्टेबल होगी और उसे होश आएगी तब उसकी सर्जरी प्लान की जाएगी। चिकित्सकों ने बताया कि कुत्ते के हमले से बच्चे की आंते बाहर आ गई और अन्य अंग भी प्रभावित हुए हैं।

राजस्थान-हरियाणा में 20 मामलों का हिस्ट्रीशीटर रहीस ढेर, पुलिसकर्मी भी घायल

नूंह (हिंस)। नूंह जिले के पुन्हाना क्षेत्र के गांव नई में शनिवार तड़के पुलिस और एक वांछित हिस्ट्रीशीटर के बीच मुठभेड़ का मामला सामने आया है। संयुक्त पुलिस टीम की कार्रवाई के दौरान आरोपी रहीस के पैर में गोली लगी, जबकि एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। घटना के बाद आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में नया मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अपराध जांच शाखा नूंह और अपराध जांच शाखा पुन्हाना की संयुक्त टीम गांव नई निवासी हिस्ट्रीशीटर रहीस को पकड़ने के लिए दबिश देने पहुंची थी। यह कार्रवाई सुबह करीब 3-25 बजे की गई। जैसे ही पुलिस टीम ने एक कमरे में छापा मारा, आरोपी रहीस ने अवैध देशी कट्टे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान सीआईए में तैनात सिपाही गौतम के पैर को गोली छूते हुए निकल गई, जिससे वह घायल हो गए। इसके बाद आरोपी ने भागने की कोशिश करते हुए दोबारा फायरिंग की और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से निकलने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। कुछ ही देर बाद आरोपी एक खाली प्लॉट में घिर गया। पुलिस द्वारा उसे आत्मसमर्पण करने के लिए चेतावनी दी गई, लेकिन उसने हथियार तानकर पुलिस टीम को धमकाना जारी रखा। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें रहीस के दाहिने पैर में गोली लग गई और उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया। घायल आरोपी को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुन्हाना ले जाया

गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे नल्हड़ मेडिकल कॉलेज नूंह रेफर कर दिया गया। वहीं घायल सिपाही गौतम को भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल से पुलिस ने एक अवैध देशी कट्टा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी रहीस थाना बिछोर का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ लूट, डकैती, चोरी, अवैध हथियार, हत्या और सरकारी कार्य में बाधा जैसे करीब 20 मामले दर्ज हैं, जो हरियाणा और राजस्थान के विभिन्न थानों में लंबित हैं। मुठभेड़ के बाद बिछोर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस पर जानलेवा हमला, सरकारी कार्य में बाधा और आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में नया मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस आरोपी के आपराधिक नेटवर्क की भी पड़ताल कर रही है।

कांग्रेस, टीएमसी और सपा नारी अधिकार विरोधी : सतीश चंद्र

अमेठी (हिंस)। *महिला जन आक्रोश प्रदर्शन अभियान* के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला कार्यालय गौरीगंज में शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री एवं अमेठी जनपद के प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी सहित पूरा विपक्षी दल नारी के अधिकारों का विरोधी है। वह नहीं चाहते हैं कि भारत की नई आगे बढ़े। मुख्य अतिथि सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* संसद के दोनों सदनों में पारित होकर कानून बन चुका है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए कहा कि देशभर की महिलाओं ने इसका स्वागत किया है और इसे उत्सव के रूप में मनाया है। उन्होंने आगे कहा कि यह अधिनियम लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के समुचित प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है।

भागलपुर गंगा हादसे पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख अनुग्रह अनुदान

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भागलपुर जिले के नवगछिया के रंगरा प्रखंड अंतर्गत झल्लूदास टोला स्थित गंगा घाट पर हुए हादसे पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। गंगा नदी में स्नान के दौरान एक ही परिवार के तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं पूरे समाज को झकझोर देती हैं और पीड़ित परिवार के दुख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देश दिया है कि मृतकों के आश्रितों को तत्काल 4-4 लाख रुपए की अनुग्रह अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि इस कठिन समय में परिवार को आर्थिक सहारा मिल सके। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति मिले और दिवंगत आत्माओं को शांति प्राप्त हो। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है। प्रशासन की ओर से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस हादसे ने एक बार फिर नदी घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था और सावधानी की आवश्यकता को रेखांकित किया है, विशेषकर गर्मी के मौसम में जब बड़ी संख्या में लोग स्नान के लिए नदी घाटों की ओर रुख करते हैं।

पुष्कर सरोवर स्वच्छता मामला: प्रशासन की लापरवाही पर न्यायालय सख्त

अजमेर (हिंस)। तीर्थराज पुष्कर की स्वच्छता और पवित्र सरोवर की बदहाली को लेकर दायर जनहित याचिका पर शनिवार को सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (पुष्कर), विमल कुमार व्यास की अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन की बेरुखी पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय ने इस मामले में अधिकारियों और अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति पर *एकपक्षीय कार्रवाई* के आदेश दिए। अगली सुनवाई 30 अप्रैल 2026 को तय की गई है। इस कानूनी प्रहार ने प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। आज हुई सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि न्यायालय द्वारा जारी किए गए नोटिस की विधिवत तामील होने के बावजूद जिला कलेक्टर, अजमेर, आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण और उपखंड अधिकारी, पुष्कर की ओर से न तो कोई जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित हुआ और न ही उनकी पैरवी के लिए कोई अधिवक्ता अदालत पहुंचा। अधिकारियों एवं उनके अधिवक्ताओं की इस सामूहिक अनुपस्थिति की वजह से न्यायालय द्वारा इन तीनों पक्षों के विरुद्ध एकपक्षीय (एक्स पार्टी) कार्रवाई करने के आदेश पारित किए गए हैं। सुनवाई के दौरान केवल नगर परिषद पुष्कर की ओर से अधिवक्ता ने उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा। याचिकाकर्ता अधिवक्ता तेजस्विनी पाराशर

एवं अंजलि मुखिया की ओर से पैरवी कर रहे पूर्व लोक अभियोजक विवेक पाराशर, रोहन पाराशर एवं जितेश धनवानी ने कोर्ट में तर्क दिया कि पुष्कर जैसे अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्थल की दुर्दशा पर भी सरकार, एडीए और एसडीओ पुष्कर का रवैया पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना है। अदालत से नोटिस की तामील के बावजूद न आना यह स्पष्ट करता है कि जिम्मेदार निकाय स्वच्छता और करोड़ों लोगों की आस्था के प्रति कतई गंभीर नहीं हैं। अदालत ने अगली सुनवाई 30 अप्रैल को तय की है। पवित्र सरोवर के पारिस्थितिकी तंत्र और घाटों पर पसरी गंदगी को लेकर चल रहे इस कानूनी संघर्ष में अदालत के प्रहार ने प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है।

आईडीबीआई विनिवेश प्रक्रिया जारी रहेगी : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

बैंकों में थर्ड पार्टी उत्पाद बिक्री पर भी समिति करेगी विचार

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईडीबीआई बैंक के विनिवेश प्रक्रिया के जारी रहने की पुष्टि की है। साथ ही उन्होंने बैंकों द्वारा तीसरे पक्ष के उत्पादों की बिक्री के लिए अपनाए जाने वाले वितरण माडल पर भी एक उच्च-स्तरीय समिति द्वारा विचार किए जाने की जानकारी दी। सीतारमण के इस बयान के बाद आईडीबीआई बैंक के शेयर में जबरदस्त उछाल देखने को मिला और कारोबार के दौरान यह 8 फीसदी तक चढ़ गया।

बाद में बैंक का शेयर 3.5 फीसदी बढ़कर 76.26 रुपये पर बंद हुआ। सरकार आईडीबीआई बैंक में अपनी 30.48 फीसदी और एलआईसी अपनी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी बेचना चाह रही हैं। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि विनिवेश प्रक्रिया अपने तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है और इसे रद्द करने की खबरें निराधार हैं।

इसके अतिरिक्त वित्त मंत्री ने बताया कि वरिष्ठ बैंक अधिकारियों की एक समिति इस बात पर विचार कर रही है कि क्या बैंकों को तीसरे पक्ष के उत्पादों (जैसे म्यूचुअल फंड, बीमा) की बिक्री के लिए एकाधिकार वितरण समझौतों की अनुमति दी जाए या ओपन आर्किटेक्चर माडल अपनाया जाए। ओपन आर्किटेक्चर माडल के तहत वित्तीय संस्थानों को अपने और बाहरी दोनों उत्पादों को ग्राहकों को पेश करने की इजाजत होती है। वित्त मंत्री के इस बयान के बाद शुक्रवार को एसबीआई लाइफ का शेयर दबाव में आ गया और यह 3.29 फीसदी गिरकर 1,767.30 रुपये पर बंद हुआ। एसबीआई लाइफ का भारतीय स्टेट बैंक के साथ जीवन बीमा पालिसियों की बिक्री के लिए एकाधिकार समझौता है, और कंपनी का लगभग 60 फीसदी से अधिक कारोबार बैंक बीमा चैनल से आता है। हाल ही में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव ने भी बैंकों को अपनी बीमा सहायक कंपनियों के साथ एकाधिकार गठजोड़ से बचने और तटस्थ रहने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद यह मुद्दा चर्चा में आया था। सीतारमण ने हाल ही में एसबीआई के नए स्थानीय मुख्यालय के उद्घाटन समारोह में ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष के बजट में घोषित बैंकिंग पर उच्च-स्तरीय समिति इस बात की पड़ताल करेगी कि भारतीय बैंकों को 2047 की चुनौतियों का सामना करने के लिए किस प्रकार कदम बढ़ाने की जरूरत है। यह समिति बैंकिंग क्षेत्र के दीर्घकालिक सुधारों और विकास पर केंद्रित होगी।

न्यूज ब्रीफ

जेएफई स्टील 15,750 करोड़ का निवेश कर 50 फीसदी हिस्सेदारी लेगा

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने भारतीय दिग्गज जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और जापान की जेएफई स्टील कारपोरेशन के बीच एक संयुक्त उद्यम की स्थापना में सहयोग किया। इस ऐतिहासिक साझेदारी के तहत, संबलपुर जिले में इस्पात संयंत्र के विस्तार के लिए कुल 32,000 करोड़ रुपये का विशाल निवेश किया जाएगा, जिससे राज्य में उच्च मूल्य वाले इस्पात निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह समान साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम, भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड के रेंगाली स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्र का विस्तार करेगा, जिसे अब जेएसडब्ल्यू समूह संचालित कर रहा है। जापानी भागीदार जेएफई स्टील लगभग 15,750 करोड़ रुपये का निवेश कर इस संयुक्त उपक्रम में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी लेगी। परियोजना की कुल लागत 32,000 करोड़ रुपये होगी और इससे संयंत्र की उत्पादन क्षमता 45 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर 10 एमटीपीए हो जाएगी। विस्तारित संयंत्र में हाट-रोल्ड स्टील, कोल्ड-रोल्ड स्टील, बार, वायर राड और पाइप जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पादों का उत्पादन होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल और जेएफई स्टील के अध्यक्ष मसायुकी हिरोसे सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि यह परियोजना ओडिशा को लौह अयस्क उत्पादक राज्य से एक उच्च मूल्य वाले इस्पात निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने में सहायक होगी। उन्होंने दोहराया कि राज्य का लक्ष्य 2030 तक 10 करोड़ टन वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता हासिल करना है, जो इस तरह के निवेश से संभव होगा।

आरबीआई ने बंधन बैंक पर 41.8 लाख का जुर्माना लगाया, केवाईसी और जोखिम मूल्यांकन में कमी के लिए बंधन बैंक पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानदंडों का उल्लंघन करने पर सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय बैंक ने बंधन बैंक और मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर अलग-अलग मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई केवाईसी नियमों, जोखिम मूल्यांकन और निष्पक्ष व्यवहार संहिता के अनुपालन में कमी के कारण की गई है, जिसका उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में अनुशासन बनाए रखना है। आरबीआई ने बंधन बैंक पर 41.8 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) नियमों और जोखिम मूल्यांकन से जुड़े दिशानिर्देशों का सही तरीके से पालन न करने के कारण लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने पाया कि बैंक कुछ खातों की जोखिम श्रेणी की समय-समय पर समीक्षा करने में विफल रहा और निदेशक से जुड़े ऋण को भी मंजूरी दी गई। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल नियामकीय कमियों के लिए है, इसका बैंक और उसके ग्राहकों के बीच के किसी लेनदेन से कोई संबंध नहीं है। इसी क्रम में भारतीय रिजर्व बैंक ने मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर 80,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई फेयर प्रैक्टिस कोड (निष्पक्ष व्यवहार संहिता) के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के चलते की गई है।

इंडसइंड बैंक को चौथी तिमाही में 594 करोड़ का मुनाफा

मुंबई। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 594 करोड़ रुपये रहा। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 2,329 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इंडसइंड बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि पिछले समय में डेरिवेटिव कारोबार में हुए नुकसान और अन्य समस्याओं को अब दूर कर लिया गया है। अब बैंक आगे बढ़ने और कारोबार को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि हम वित्त वर्ष 2026-27 में विकास की मानसिकता की ओर बढ़ेंगे। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक के ऋण में लगभग 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पूरे बैंकिंग उद्योग में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंक ने बताया कि वह वित्त वर्ष 2026-27 में ऋण वृद्धि के मामले में उद्योग के समान स्तर पर पहुंचने का लक्ष्य रखता है।

अनुभवी अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष बनेंगे

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुमन बेरी की जगह लेंगे

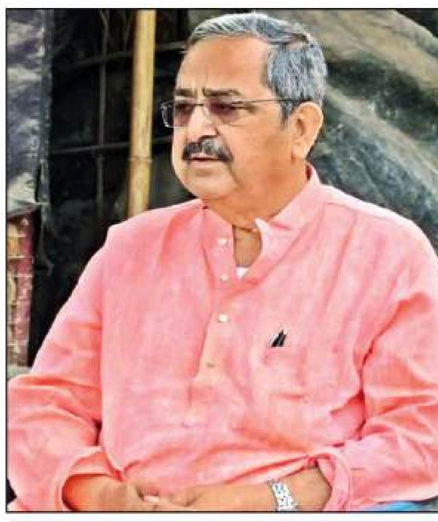

नई दिल्ली

वरिष्ठ अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी को जल्द ही नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। इस महत्त्वपूर्ण नियुक्ति के साथ वह एक बार फिर केंद्र सरकार की नीतिगत भूमिका में वापसी करेंगे। लाहिड़ी देश के शीर्ष थिंक टैंक में सुमन बेरी का स्थान लेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अपनी आर्थिक वृद्धि और सुधारों को गति देने पर केंद्रित है। उनकी नियुक्ति से देश की आर्थिक रणनीति को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। अशोक लाहिड़ी का अनुभव नीतिगत और अकादमिक दोनों क्षेत्रों में दशकों पुराना है। वह दिसंबर 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाए गए थे और जून 2007 तक इस पद पर कार्यरत रहे।

इस कार्यकाल का एक हिस्सा मनमोहन सिंह की सरकार के अधीन भी रहा, जहां उन्होंने देश की वित्तीय नीतियों और आर्थिक सुधारों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सार्वजनिक वित्त और आर्थिक विश्लेषण में उनके गहरे अनुभव को देखते हुए, उम्मीद है कि वे देश की प्राथमिकताओं को तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी और दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स के पूर्व छात्र रहे लाहिड़ी ने एशियन डेवलपमेंट बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी जैसी संस्थाओं में भी अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में भी सलाहकार और वरिष्ठ अर्थशास्त्री के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी के विधायक के रूप में राजनीति में सक्रिय रहे लाहिड़ी की यह वापसी उन्हें फिर से देश की नीतिगत दिशा तय करने वाली भूमिका में ले आएगी। नीति आयोग में उपाध्यक्ष के तौर पर लाहिड़ी केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उनकी प्राथमिकता लंबी अवधि की आर्थिक योजनाओं और नीतियों को मजबूत करना होगा, जिससे नीति आयोग की सलाहकार भूमिका और अधिक प्रभावी हो सके। सरकार ने लाहिड़ी के साथ जाने-माने वैज्ञानिक गोबर्धन दास को भी नीति आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों से जुड़े दास के वैज्ञानिक अनुभव से भी नीति निर्माण में लाभ मिलने की उम्मीद है।

टाटा मोटर्स ने 6 लाख 31 हजार से अधिक गाड़ियां बेची

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2026 में टाटा मोटर्स ने 6 लाख 31 हजार से अधिक गाड़ियों की बिक्री की। कंपनी ने 14 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज कर एक बार फिर अपनी मजबूत मौजूदगी का एहसास कराया है। इस सफलता का श्रेय कंपनी की लोकप्रिय एसयूवी टाटा नेक्सन को जाता है, जिसने बिक्री के मामले में नया रिकार्ड बनाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया और टाटा की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी। नेक्सन ने 32 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ कुल 2 लाख 16 हजार 54 इकाइयों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष के 1 लाख 63 हजार इकाइयों के मुकाबले काफी अधिक है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि ग्राहकों के बीच इस माडल की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है और यह अपने सेगमेंट में मजबूत पकड़ बनाए हुए है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर टाटा पंच रही, जिसने 1 लाख 83 हजार 980 इकाइयों की बिक्री की, हालांकि इसमें करीब 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। तीसरे स्थान पर टाटा टियागो ने 20 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 83 हजार से अधिक इकाइयां बेचीं, जो छोटे परिवारों और बजट ग्राहकों के बीच इसकी लगातार मांग का संकेत है। वहीं, चौथे स्थान पर टाटा अल्ट्रोज रही, जिसकी बिक्री में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और कुल 38 हजार से अधिक इकाइयां बिकीं। इस सूची में पांचवें स्थान पर टाटा हैरियर ने 74 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 32 हजार से अधिक इकाइयों की बिक्री कर मजबूत प्रदर्शन दिखाया। इसके बाद टाटा सिएरा और टाटा कर्व का स्थान रहा, जबकि टाटा सफारी और टाटा टिगोर की बिक्री में क्रमशः 3 और 26 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जिससे इन सेगमेंट में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का संकेत मिलता है। कुल मिलाकर, वित्त वर्ष 2026 में टाटा मोटर्स की सफलता में नेक्सन ने सोने का अंडा देने वाली मुर्गी की भूमिका निभाई है।

क्या फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड कैप में निवेश से मिल रहा दोहरा फायदा

नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स की लोकप्रियता बढ़ रही है। कई निवेशक मानते हैं कि दोनों कैटेगरी में निवेश से उनका पोर्टफोलियो सुरक्षित और डाइवर्सिफाइड हो जाएगा, लेकिन असल तस्वीर थोड़ी अलग है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इन फंड्स के पोर्टफोलियो में काफी ओवरलैप देखा जा रहा है, खासकर एक ही एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के फंड्स में, जिससे डाइवर्सिफिकेशन का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। वैल्यू रिसर्च के विश्लेषण में सामने आया है कि करीब 31 फंड पेयर्स में से 16 में 40 प्रतिशत से अधिक स्टाक्स का ओवरलैप था।

निवेशकों को लग सकता है झटका, एक ही एएमसी में निवेश का जोखिम

इसका मतलब है कि निवेशक अनजाने में एक ही स्टाक्स में दो बार पैसा लगा रहे होते हैं। बाजार के विश्लेषक बताते हैं कि फ्लैक्सी कैप फंड्स को बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड या स्माल कैप में निवेश बदलने की आजादी होती है, जबकि लार्ज एंड मिड कैप फंड्स को न्यूनतम 35 फीसदी लार्ज कैप और 35 फीसदी मिड कैप में निवेश करना अनिवार्य है। हालांकि फ्लैक्सी कैप फंड्स अक्सर लार्ज कैप की ओर ज्यादा झुकाव रखते हैं, जिससे दोनों फंड्स के पोर्टफोलियो में समानता बढ़ जाती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को ठीक से मानिटर करें और अलग-अलग एएमसी के फंड्स में निवेश करें, तो सीमित ओवरलैप के साथ भी बेहतर संतुलन बन सकता है। एक ही एएमसी के फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स में निवेश करने से एएमसी कंसंट्रेशन रिस्क बढ़ता है, क्योंकि एएमसी अक्सर एक जैसी निवेश रणनीति अपनाते हैं। ऐसे में सलाह दी जाती है कि किसी एक एएमसी में कुल पोर्टफोलियो का 25-30 प्रतिशत से अधिक निवेश न करें।

जियोस्टार का राजस्व 2025-26 में 36,248 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली। मीडिया और मनोरंजन मंच जियोस्टार ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान उससे 9,784 करोड़ रुपये का सकल राजस्व और 419 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। रिलायंस के मीडिया व्यवसाय और वैश्विक मीडिया दिग्गज वाल्ट डिज्नी के भारतीय व्यवसाय के विलय के बाद बने संयुक्त उद्यम जियोस्टार का वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक सकल राजस्व 36,248 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अनुसार जियोस्टार की सदस्यता राजस्व वृद्धि पूरे वर्ष डिजिटल और टीवी दोनों में मजबूत रही। बयान में कहा गया कि यह वृद्धि खेल कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला और प्रमुख मनोरंजन फ्रेंचाइजी में रिकार्ड जुड़ाव के कारण हुई है। इस संयुक्त उद्यम के पास अधिकांश प्रमुख क्रिकेट प्रसारण अधिकार हैं और उसने तिमाही के दौरान औसतन 50 करोड़ मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता दर्ज किए।

आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द किया, बैंकिंग सेवाओं पर रोक

पेटीएम ने कहा-कंपनी पर कोई वित्तीय असर नहीं

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक (पीपीबी) का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। नियामक ने यह कार्रवाई बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 22(4) के तहत की है, जिसका कारण बैंक के संचालन को जमाकर्ताओं के हितों के लिए हानिकारक बताया गया है। यह फैसला 24 अप्रैल, 2026 को कारोबार बंद होने के समय से प्रभावी होगा, जिसके बाद पीपीबी बैंकिंग का व्यवसाय करने से प्रतिबंधित हो जाएगा। आरबीआई अब उच्च न्यायालय के समक्ष बैंक को बंद करने के संबंध में एक आवेदन प्रस्तुत करेगा। आरबीआई का यह कदम हाल के समय में अपनी तरह का पहला और महत्वपूर्ण फैसला है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पहले से ही नियामक की निगरानी में था, और वर्ष 2022 में उसे नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया गया था। इसके अतिरिक्त, जनवरी 2024 में नियामक ने उसे 29 फरवरी के बाद किसी भी ग्राहक खाते, वालेट या फास्टैग में जमा स्वीकार करने या क्रेडिट लेनदेन करने से प्रतिबंधित कर दिया था। आरबीआई ने स्पष्ट किया था कि बैंक का कामकाज बैंक और उसके जमाकर्ताओं के हितों के लिए नुकसानदायक तरीके से चलाया जा रहा था। वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम की मूल कंपनी) ने बयान जारी कर कहा है कि पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द होने का उस पर कोई वित्तीय असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने बताया कि उसका पीपीबी में कोई निवेश नहीं है और न ही उसके साथ कोई बड़ा कारोबारी समझौता है। कंपनी द्वारा दी जाने वाली सेवाएं भी पीपीबी के साथ साझेदारी में नहीं हैं। फरवरी 2024 में, विजय शेखर शर्मा ने भी पीपीबी के अंशकालिक गैर-कार्यकारी चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद अनुभवी बैंकर एस. श्रीधर को गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया गया। नियामक ने आश्वस्त किया है कि बैंक के पास इतनी पर्याप्त तरलता है कि वह अपने सभी जमाकर्ताओं की देनदारियों को चुका सके। 31 मार्च, 2025 तक, बैंक के पास ग्राहकों की कुल जमा राशि 1,395.22 करोड़ रुपये थी।

होर्मुज पर अमेरिकी घेराबंदीः ईरान पर दबाव, वैश्विक ऊर्जा बाजार में हड़कंप

यूएस नेवी ने ईरानी जहाज रोका, पोर्ट नाकेबंदी से जहाजों की आवाजाही ठप

नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी नौसेना ने समुद्री प्रतिबंधों को लागू करने के लिए 24 अप्रैल को एक ईरानी झंडे वाले जहाज को रोक दिया। यह कार्रवाई अप्रैल की शुरुआत से चल रही ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी रणनीति का हिस्सा है, जिसने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग, स्ट्रेट आफ होर्मुज पर गहरा असर डाला है। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) के अनुसार, अमेरिकी गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रायर यूएसएस राफेल पेराल्टा ने ईरान के एक बंदरगाह की ओर बढ़ रहे जहाज को रोका। यह कदम अमेरिकी प्रतिबंधों को कड़ाई से लागू करने के उद्देश्य से उठाया गया है। अप्रैल की शुरुआत से ही अमेरिका ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी को सख्त कर रहा है, जिसके तहत अब तक दर्जनों जहाजों को या तो रोका गया है या उन्हें वापस लौटा दिया गया है। इस नाकेबंदी का सीधा असर स्ट्रेट आफ होर्मुज पर दिख रहा है, जो सामान्यतः एक बेहद व्यस्त समुद्री मार्ग है। न्यूज एजेंसी रायटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 22-23 अप्रैल के बीच इस रास्ते से सिर्फ सात जहाज गुजर पाए, जिनमें से छह ईरान से संबंधित व्यापार में शामिल थे।

रिलायंस का मुनाफा 12 फीसदी घटा, आय हुई मजबूत, चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ घटकर 16,971 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) को वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में पश्चिम एशिया संघर्ष और उच्च कच्चे तेल की कीमतों के कारण मुनाफे में बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। कंपनी का संचयी मुनाफा 12.6 फीसदी घटकर 16,971 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 19,407 करोड़ रुपए से कम है। यह पिछले 14 तिमाहियों में दर्ज सबसे बड़ी गिरावट है। वैश्विक उथल-पुथल और ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद, आरआईएल ने मजबूत राजस्व वृद्धि प्रदर्शित की। चौथी तिमाही में कंपनी की संचयी आय 12.5 फीसदी बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपए रही, जो 13 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। पूरे वित्त वर्ष 2026 में, रिलायंस 10.57 लाख करोड़ रुपये की कुल शुद्ध बिक्री के साथ 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय अर्जित करने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी।

ला लीगा 2025-26 : बेटिस ने रियल मैड्रिड को 1-1 से रोका, बार्सिलोना खिताब के करीब

सेविल

ला लीगा 2025-26 में रियल मैड्रिड को रियल बेटिस के खिलाफ शुक्रवार रात 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जिससे उसकी खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। मुकाबले के अंतिम क्षणों में हेक्टर बेल्लेरिन के गोल ने रियल मैड्रिड से जीत छीन ली।

मैच के 17वें मिनट में रियल मैड्रिड ने बढ़त बनाई। फेडेरिको वाल्वरडे के दूर से लगाए गए शॉट को बेटिस के गोलकीपर अल्वारो वायेस ठीक से नहीं रोक पाए और गेंद विनीसियस जूनियर के पास पहुंची, जिन्होंने शानदार फिनिश करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इसके बाद जूड बेलिंगहैम के पास बढ़त दोगुनी करने का मौका था, लेकिन वह चूक गए। पहले हाफ के अंत तक बेटिस ने वापसी की कोशिश की, लेकिन रियल के गोलकीपर आंद्रे लुनिन ने कई बेहतरीन बचाव कर टीम को बढ़त दिलाए रखी। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन कई मौके गंवा दिए। किलियन एम्बाप्पे का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के पास पर आसान मौका गंवाया, वहीं उनका एक गोल ऑफसाइड करार दिया गया।

लुनिन ने 65वें मिनट में कुचो हर्नांडेज के खिलाफ शानदार एक हाथ से बचाव किया और फिर नातान के शॉट को भी रोका। विनीसियस जूनियर भी एक आसान मौका गंवा बैठे, जिससे रियल बढ़त को सुरक्षित नहीं कर सका। इसका खामियाजा टीम को 93वें मिनट में भुगतना पड़ा। फेरलैंड मेंडी से गेंद छिनने के बाद एंटनी ने हमला बनाया और गेंद बेल्लेरिन के पास पहुंची, जिन्होंने भीड़ के बीच से लो शॉट लगाकर गोल कर दिया। मैच के बाद बेल्लेरिन ने कहा, 'ऐसी स्थिति में ज्यादा सोचने का समय नहीं होता। मैं आमतौर पर दूर से शॉट नहीं लगाता, लेकिन इस बार मौका मिला और गेंद गोल में चली गई।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि हमने मैच में अच्छा नियंत्रण रखा और हमें एक अंक से ज्यादा मिलना चाहिए था। जीत नहीं मिलना थोड़ा निराशाजनक है, लेकिन यह अच्छा परिणाम है।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का निधन

नई दिल्ली/चंडीगढ़। भारतीय हॉकी के दिग्गज और 1968 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गुरबक्स सिंह

ग्रेवाल का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने जिरकपुर में अंतिम सांस ली। हॉकी इंडिया ने उनके निधन की पुष्टि की। हॉकी इंडिया के मुताबिक गुरबक्स सिंह ग्रेवाल 1968 मेक्सिको सिटी ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा थे, जिसने देश के लिए कांस्य पदक जीता था। वह भारतीय हॉकी इतिहास के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। उनकी एक खास उपलब्धि यह भी रही कि उन्होंने उसी ओलंपिक में अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह दुर्लभ अवसर था जब दो सगे भाई एक साथ ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा बने। खेल जीवन के बाद भी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल ने हॉकी से अपना जुड़ाव बनाए रखा। उन्होंने वेस्टर्न रेलवे में वरिष्ठ खेल अधिकारी के रूप में कार्य किया और इस दौरान कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचान कर रेलवे हॉकी टीम में शामिल कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें राजस्थान के खिलाड़ी भी शामिल थे। सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद मुंबई में रहते हुए उन्होंने खेल प्रशासन में भी सक्रिय योगदान दिया। वह मुंबई हॉकी एसोसिएशन के मानद सचिव के रूप में जुड़े रहे और हॉकी के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाई। उनके निधन से भारतीय हॉकी जगत में शोक की लहर है और खेल प्रेमियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

स्लैपगेट विवाद पर श्रीसंत का पलटवारः हरभजन सिंह पर लगाया पैसे कमाने का आरोप बोले- सब दिखावा है

नई दिल्ली। साल 2008 के कुख्यात स्लैपगेट विवाद का भूत एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग का पीछा कर रहा है। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने अपने पुराने साथी और दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्रीसंत ने दावा किया है कि हरभजन ने उस घटना से व्यावसायिक लाभ उठाया, जिसने टूर्नामेंट के पहले सीजन को बड़े विवादों में डाल दिया था। करीब दो दशक बाद, स्लैपगेट घटना के बाद श्रीसंत ने हाल ही में एक विज्ञापन को लेकर हरभजन सिंह की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है, जिसमें उनके पुराने विवाद का जिक्र किया गया था। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि समय के साथ उनके बीच का तनाव कम हो गया था, लेकिन उस घटना को व्यावसायिक रूप में बदलने के हरभजन के फैसले ने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी है। यह विवाद 2008 में आईपीएल के पहले सीजन के दौरान किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और मुंबई इंडियंस के बीच एक मैच के बाद हुआ था, जब हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था। मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हुई इस झड़प ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था, और श्रीसंत की परेशान तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं, जिसके बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई थी, जिसमें हरभजन को टूर्नामेंट के बाकी मैचों से निलबित कर दिया गया था।

राष्ट्रीय टीम से बाहर किए जाने पर खुशदिल शाह का फूटा गुस्सा, बोले- 700-800 रन बनाकर भी ड्रॉप किया

कराची। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज खुशदिल शाह राष्ट्रीय टीम में चयन न होने से गहरे हताश हैं। वर्तमान

में पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे खुशदिल ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए अपनी निराशा व्यक्त की। यह नाराजगी पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा के साथ एक बातचीत के दौरान सामने आई, जहां खुशदिल ने टीम से बाहर रखे जाने पर अपना पक्ष रखा। खुशदिल ने गुरुवार को लाहौर कलंदर्स के खिलाफ गद्दाफी स्टेडियम में कराची किंग्स को पांच विकेट से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मात्र 14 गेंदों में 44 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। इस मैच जिताऊ प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद खुशदिल शाह ने रमीज राजा से स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं अन्य खिलाड़ियों से अलग हूं। मैं न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता हूं और न ही पुरानी बातों का रोना रोता हूं कि मेरे साथ क्या गलत हुआ। मैंने हाल ही में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 700-800 रन बनाए हैं, जिसमें एक दोहरा शतक और कई बड़ी पारियां शामिल हैं। इतने सब के बावजूद, मुझे टीम से ड्रॉप कर दिया गया।

न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल कोकीन सेवन के लिए दो साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल को कोकीन के सेवन के चलते दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह मामला सितंबर 2025 (स्रोत के अनुसार) में काउंटी चैंपियनशिप मैच के दौरान सामने आया, जब वह एसेक्स काउंटी क्रिकेट क्लब की ओर से खेल रहे थे। ब्रेसवेल ने हालांकि पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन इस प्रतिबंध ने उनके करियर के अंतिम पड़ाव पर एक गंभीर दाग लगा दिया है, जो खेल की पवित्रता के महत्व को रेखांकित करता है।

ब्रेसवेल ने स्वीकार किया कि उन्होंने समरसेट काउंटी क्रिकेट क्लब के खिलाफ चेल्म्सफोर्ड में खेले गए मैच के दौरान प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन किया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने मैच के पहले दिन के खेल के बाद और दूसरे दिन की शुरुआत से पहले कोकीन का सेवन किया था। पहले दिन उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट भी लिए थे, जिससे यह घटना और भी चौंकाने वाली हो जाती है। 25 सितंबर को लिया गया उनका डोप सैंपल पॉजिटिव पाया गया और अगले महीने उन्हें इसकी जानकारी दी गई। दिसंबर के अंत तक, 35 वर्षीय ब्रेसवेल ने अपने सक्रिय क्रिकेट करियर से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बावजूद, क्रिकेट नियामक संस्था ने अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी रखी और उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया, जो 24 नवंबर 2025 से शुरू होकर 23 नवंबर 2027 तक प्रभावी रहेगा। ब्रेसवेल ने इस सजा को स्वीकार कर लिया है। एसेक्स क्लब ने इस मामले पर एक बयान जारी करते हुए कहा, 'एसेक्स पुष्टि करता है कि डग ब्रेसवेल सितंबर 2025 में नियमित ड्रग्स टेस्ट में फेल हुए थे। क्लब क्रिकेट नियामक के दो साल की निष्क्रियता की अवधि लगाने के फैसले का समर्थन करता है। सभी कर्मचारियों से उच्चतम स्तर के पेशेवर आचरण की उम्मीद की जाती है। क्लब ब्रेसवेल के व्यवहार को सही नहीं मानता, लेकिन हम अपनी नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार उन्हें पुनर्वास में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' यह बयान क्लब की सख्त नीति और खिलाड़ी के प्रति समर्थन दोनों को दर्शाता है।

यह ब्रेसवेल की पहली गलती नहीं है। 2024 में भी उन्हें न्यूजीलैंड की घरेलू टी20 प्रतियोगिता के दौरान इसी तरह के उल्लंघन के लिए एक महीने का निलंबन मिला था, जो उनके बार-बार नियमों का उल्लंघन करने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। उन्होंने 2025 सीजन के अंतिम तीन मैचों के लिए ही एसेक्स के साथ करार किया था। 2011 से 2023 तक चले अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में ब्रेसवेल ने न्यूजीलैंड के लिए 28 टेस्ट, 21 वनडे और 20 टी20 मैच खेले। उन्होंने 100 से अधिक विकेट लिए और लगभग 1,000 रन बनाए। वे एक प्रसिद्ध क्रिकेट परिवार से आते हैं; उनके पिता ब्रेंडन और चाचा जॉन ने भी न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया था, जबकि उनके चचेरे भाई माइकल ब्रेसवेल अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हैं।

लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पर खेले जाएंगे ओलंपिक में क्रिकेट मुकाबले : सीईओ

लॉस एंजेलिस। : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजोग गुप्ता ने कहा है साल 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिताएं लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पोमोना पर आयोजित की जाएंगी। साथ ही कहा कि इस मैदान पर 128 साल बाद ओलंपिक मंच पर क्रिकेट की वापसी एक ऐतिहासिक पल होगा। इस मैदान के शिलान्यास समारोह में गुप्ता ने कहा कि जिस मैदान की नींव आज रखी जा रही है, वह सिर्फ एक क्रिकेट मैदान नहीं, बल्कि एक ऐसा वादा है जिसे पूरा करने में 128 साल लग गए। इससे अंदाज होता है कि ओलंपिक मंच पर क्रिकेट की वापसी के लंबे इंतजार के पूरे होने को लेकर कितना अधिक उत्साह है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा लॉस एंजेलिस 2028 खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की औपचारिक मंजूरी को लेकर उन्होंने कहा कि कि ये क्रिकेट के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और लोकप्रियता को बताता है। उन्होंने कहा, दुनिया का ये दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल इतने लंबे समय से ओलंपिक मंच पर नहीं रहा है। वहीं अब उसकी वापसी दिखाती है कि ओलंपिक में उन खेलों को बढ़ावा दिया जाना जरुरी है जिससे करोड़ों लोग पसंद करते हैं। गुप्ता ने पोमोना स्थित इस नए क्रिकेट स्थल की विरासत की सराहना की और इसे ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी के लिए एक आदर्श स्थान बताया। उन्होंने कहा, इस वादे को पूरा करने के लिए पोमोना से बेहतर किसी अन्य जगह के बारे में मैं सोच भी नहीं सकता।

अभिषेक शर्मा की वृंदावन में चप्पल चोरी, भड़के भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ा रहे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ वृंदावन में एक अजीबोगरीब घटना हो गई। अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने गए अभिषेक की चप्पलें मंदिर परिसर से गायब हो गईं, जिससे वह काफी नाराज और परेशान नजर आए। यह घटना एक प्रशंसक द्वारा बनाए गए वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो इसी आईपीएल सीजन का है या पहले का। जानकारी के अनुसार, अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचे थे। जब वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर निकले, तो जहां उन्होंने अपनी चप्पलें उतारी थीं, वे वहां नहीं मिलीं। वीडियो में सनराइजर्स के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज को मंदिर के बाहर इधर-उधर अपनी चप्पलों की तलाश करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो बनाने वाले प्रशंसक ने इसमें पीछे से कमेंट्री करते हुए पूरे वाकये को बयां किया। उसने कहा कि अभिषेक शर्मा और उनकी माताजी की चप्पलें भीड़भाड़ के कारण कहीं इधर-उधर हो गई हैं और लाख तलाशने के बावजूद नहीं मिल रही हैं। इस घटना से भारतीय बल्लेबाज अभिषेक काफी नाराज और परेशान दिखे, क्योंकि उन्हें नंगे पैर ही रहना पड़ रहा था। प्रशंसक ने आगे बताया कि किसी ने जानबूझकर अभिषेक शर्मा की चप्पलें गायब नहीं की थीं, बल्कि अत्यधिक भीड़ के कारण वे अपनी जगह से हट गई थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मंदिर प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया और अभिषेक शर्मा के लिए नई चप्पलों की व्यवस्था की, जिसके बाद ही वह वहां से निकल पाए। यह घटना एक ऐसे समय में हुई है जब अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 (स्रोत के अनुसार) में बल्ले से धमाल मचा रहे हैं। अभिषेक ने मौजूदा आईपीएल सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।

आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में अब भी पहुंच सकती है मुंबई इंडियंस

मुम्बई। मुम्बई इंडियस टीम के लिए आईपीएल का 19 वां सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे अपने सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। टीम को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 103 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इससे उसका नेट रन रेट भी कम हुआ है और टीम मुश्किलों में नजर आ रही है टीम के अब तक केवल दो जीत के साथ ही 4 अंक मिले हैं और वह अंकतालिका में आठवे नंबर पर है हालांकि इसके बाद भी उसके प्ले ऑफ में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त नहीं हुई हैं। इसके लिए उसे बचे हुए अपने सभी सात मैच जीतने होंगे। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने के लिए किसी भी टीम को लीग स्टेज में कम से कम 14 अंक की जरूरत होती है। इस 14 अंक के साथ उसे अपना रन रेट भी बेहतर रखना होता है। वहीं अगर कोई टीम 14 से ज्यादा अंक हासिल करती है तो फिर उसके लिए प्लेऑफ की राह आसान हो जाती है। मुंबई के अभी 4 अंक हैं और उसका रनरेट -0.736 है। वहीं उसे इस सत्र में अभी 7 लीग मैच और खेलने है। ऐसे में उसे प्लेऑफ में पहुंचने सभी मैच जीतने होंगे। मुंबई की टीम अग अगर सभी मैच जीतती है तो उसके 18 अंक हो सकते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष-2 में पहुंच सकती है। वही टीम को प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाओं को बनाये रखने के लिए कम से कम 5 मैचों में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

राइडर कप 2027 : टाइगर वुड्स के इंकार के बाद जिम फ्यूरिक बने अमेरिका टीम के कप्तान

न्यूयॉर्क/लिमरिक

अमेरिका के अनुभवी गोल्फर जिम फ्यूरिक को 2027 राइडर कप के लिए यूएस टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह टूर्नामेंट आयरलैंड के लिमरिक स्थित अडारे मैनर में खेला जाएगा। यह फैसला उस समय आया जब दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने इस भूमिका को स्वीकार करने से इंकार कर दिया।

55 वर्षीय फ्यूरिक, जो पीजीए टूर पर 17 खिताब जीत चुके हैं, इससे पहले 2018 में पेरिस में भी राइडर कप में अमेरिका के कप्तान रह चुके हैं, जहां टीम को हार का सामना करना पड़ा था। वह कीगन ब्रैडली की जगह इस पद पर आए हैं।

फ्यूरिक अब जैक निकलॉस, टॉम वॉटसन और डेविस लव तृतीय के बाद ऐसे चौथे अमेरिकी कप्तान बन गए हैं जिन्हें दूसरी बार यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फ्यूरिक ने पीजीए ऑफ अमेरिका की प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'दूसरी बार यूएस राइडर कप टीम का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं कि खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सही माहौल और रणनीति प्रदान करूं, ताकि हम यूरोपीय जमीन पर कप वापस जीत सकें। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह अपने पिछले अनुभव का उपयोग करते हुए कुछ नए विचारों को भी शामिल करेंगे। गौरतलब है कि अमेरिका ने आखिरी बार 1993 में यूरोप में राइडर कप जीता था।

2018 में मिली हार के बाद फ्यूरिक की कप्तानी पर सवाल उठे थे, खासकर टीम चयन और रणनीति को लेकर। हालांकि, उन्होंने 2024 प्रेसिडेंट्स कप में अमेरिका को लगातार 10वीं जीत दिलाकर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की। दूसरी ओर, टाइगर वुड्स इस पद के लिए सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन उन्होंने हाल ही में एक सड़क दुर्घटना और नशे में ड्राइविंग के आरोप के बाद स्वास्थ्य कारणों से खुद को इस जिम्मेदारी से दूर रखा है। पीजीए ऑफ अमेरिका ने बताया कि वुड्स फिलहाल इलाज पर ध्यान देना चाहते हैं। यूरोपीय टीम की कप्तानी एक बार फिर ल्यूक डोनाल्ड को सौंपी गई है, जो लगातार तीसरी बार यह जिम्मेदारी निभाएंगे। उनका लक्ष्य अपनी टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाना है। 2027 राइडर कप का आयोजन 17 से 19 सितंबर के बीच किया जाएगा, जहां फ्यूरिक की अगुवाई में अमेरिकी टीम यूरोप में जीत का सूखा खत्म करने की कोशिश करेगी।

आईपीएल 2026: विराट कोहली के सिर फिर सजी ऑरेंज कैप

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की गुजरात टाइटंस पर पांच विकेट की जीत के बाद ऑरेंज कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के दम पर विराट कोहली एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने ओपनिंग करते हुए 44 गेंदों में 81 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 14वें ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए टीम की जीत की मजबूत नींव रखी और 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी बने। इस पारी के साथ कोहली अब 7 पारियों में 328 रन बनाकर ऑरेंज कैप की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (323 रन) को पीछे छोड़ा। तीसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन (320 रन) हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 297 रन के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। गिल ने इस मैच में 24 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिससे वह चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन को पीछे छोड़ते हुए ऊपर आ गए। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार भी इस मुकाबले के बाद सूची में आगे बढ़े हैं। हालांकि उन्होंने इस मैच में सिर्फ 8 रन बनाए, लेकिन कुल 238 रन के साथ वह ईशान किशन के बराबर पहुंच गए हैं। स्ट्राइक रेट के आधार पर पाटीदार आठवें और किशन नौवें स्थान पर हैं। वहीं गुजरात के बी साई सुदर्शन ने 58 गेंदों में शतक जड़कर सीजन का पांचवां शतक बनाया और शीर्ष-10 में जगह बना ली। पर्पल कैप की दौड़ में इस मैच का ज्यादा असर नहीं पड़ा, क्योंकि मुकाबले में कुल आठ विकेट ही गिरे। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 12 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा के साथ संयुक्त रूप से इस स्थान पर हैं। शीर्ष पर चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज और लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव काबिज हैं। इस बीच भुवनेश्वर कुमार ने जोस बटलर का विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या 11 तक पहुंचा दी है। वह अब राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई के साथ संयुक्त रूप से अगले स्थान पर हैं।

दिल्ली कैपिटल्स को लगा झटकाः अभ्यास सत्र में युवा नेट गेंदबाज गंभीर रूप से चोटिल

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले से पहले दिल्ली कैपिटल्स के खेमे से एक अत्यंत दुखद और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले अरुण जेटली स्टेडियम में प्रैक्टिस सेशन के दौरान दिल्ली का एक होनहार युवा नेट बॉलर गंभीर रूप से चोटिल हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब टीम नेट पर पसीना बहा रही थी, तभी एक बेहद तेज रफ्तार गेंद सीधे उस युवा खिलाड़ी के चेहरे पर जा लगी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि खिलाड़ी तुरंत जमीन पर गिर पड़ा और उसके चेहरे से काफी खून बहने लगा। इस भयावह नजारे को देख मैदान पर मौजूद साथी खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ तुरंत उसकी मदद के लिए दौड़ पड़े। हादसे के तुरंत बाद टीम के मेडिकल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए फौरन एम्बुलेंस बुलाई गई। खिलाड़ी को स्ट्रेचर पर लिटाकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। शुरुआती रिपोर्ट्स में चेहरे पर गंभीर फ्रैक्चर या गहरी चोट की आशंका जताई गई है। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के मैनेजमेंट ने खिलाड़ी के नाम का खुलासा नहीं किया है, पर उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी पहली प्राथमिकता खिलाड़ी का स्वास्थ्य है। आज दोपहर 3:30 बजे दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच इसी ऐतिहासिक मैदान पर मुकाबला होना है। इस हादसे के बाद दिल्ली की टीम गहरे मानसिक दबाव में है। कप्तान और कोच रिकी पोंटिंग ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है और फिलहाल ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी भावुक बना हुआ है।

माऊंटेन बाइसिकल में 4 जीबी रैम

चाइनीज कंपनियों में लीईको एक ऐसा नाम है जो दुनियाभर में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। हाल ही में कम्पनी ने इलैक्ट्रिक कार को पेश किया है और कम्पनी का ली सीवरेक भी फेमस प्रोडक्ट है। यह एक माऊंटेन बाइक है जिसपर स्मार्टफोन लगा है। यह इंवेंशन गूगल के एंड्रॉयड सॉफ्टवेयर पर चलती है और इसके हैंडलबार पर 4 इंच की डिस्प्ले लगी है। हैंडलबार पर लगा स्मार्टफोन क्वार्ड कोर प्रोसैसर पर चलता है और 4 जीबी रैम दी गई है। इसके अलावा इसमें लेजर प्वाइंटर, हार्ट रेट सैंसर और बिल्ट इन स्पीकर तथा कैमरा लगा है। इसमें लगी लेजर दोनों तरफ से लाल रोशनी छोड़ती है जिससे राइड सुरक्षित हो सके। इसमें अलार्म सिस्टम और एप कम्पेटिबिलिटी दी गई है जिससे ट्रैकिंग डाटा मिल जाता है। यह बाइक पहले से ही चाइना में बिक्री के लिए उपलब्ध है और इसकी कीमत 800 डॉलर यानी लगभग 53,000 रुपए है।

भारतीयों के लिए खतरा है शाकाहारी खाना

अभी तक यही माना जाता रहा है कि शाकाहारी भोजन सेहतमंद जीवन की कुंजी है। लेकिन अमेरिकी शोधकर्ताओं का दावा है कि इससे भारतीयों में दिल की बीमारी व कोलन कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि शाकाहारी भोजन से एक जीन में परिवर्तन का खतरा रहता है। इससे दिल की बीमारी और कोलन कैंसर जैसे गंभीर रोग होने का जोखिम बढ़ जाता है।

बिना वजह क्यों होता है मोबाइल के वाइब्रेशन का अहसास

मोबाइल फोन आजकल एक आवश्यक आवश्यकता बन चुका है। हर शख्स अपने आप को मोबाइल फोन के साथ कंफर्टेबल और सुरक्षित महसूस करता है। पर ऐसे में कुछ अजीबो गरीब बीमारियां भी पनप रही हैं जिनका रिश्ता सिर्फ मोबाइल फोन से ही है। ऐसी ही एक बीमारी के बारे में हम यहां जिक्र कर रहे हैं।

बिना बजे ही लगता है फोन कर रहा है वाइब्रेट

हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में एक बीमारी का पता चला है। इस बीमारी में आपका फोन वाइब्रेट नहीं होगा, लेकिन बार-बार आपको ऐसा एहसास होगा कि आपका फोन या आसपास कोई दूसरा फोन वाइब्रेट हो रहा है। शेधकर्ताओं का कहना है कि मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले लगभग नब्बे प्रतिशत लोगों को अक्सर कपड़ों में सरसराहट या मांसपेशियों में ऐंठन होने से बार-बार ऐसा लगता है जैसे उनका या उनके आसपास का कोई मोबाइल वाइब्रेट हो रहा हो। वास्तविकता में ऐसा कुछ नहीं होता चेक करने के बाद ये अहसास होता है कि ये उनकी गलतफहमी थी। इस डिसीज को नाम दिया गया है फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम। हालाकि इस अध्ययन में यह भी पता चला है कि ज्यादातर लोग जिनमें यह लक्षण पाया गया है, उन्हें इस बीमारी से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है।

ऐसा ही होता है पैरीडोलिया में भी

इसी तरह का अहसास होने पर इस बीमारी को पैरीडोलिया नाम भी दिया गया है। पैरीडोलिया में भी आपका दिमाग ऐसी चीजों के बारे में सोच लेता है जो दरअसल होती ही नहीं हैं। जैसे बिना मतलब वाइब्रेशन को महसूस करना, ऐसा विशेष रूप से तब होता है जब हम फोन को वाइब्रेशन पर लगा देते हैं और अचानक हमारा फोन किसी ना किसी वजह से वाइब्रेट करता है। इसके बाद जब हमारा दिमाग किसी एक्टिविटी में बिजी होता है और आपके अवचेतन में ये बात होती है कि फोन फिर वाइब्रेट होगा और उसी वजह से बिना किसी वजह के आपको लगता है कि फोन वाइब्रेट हो रहा है। ये कोई हैल्यूसिनेशन नहीं है बल्कि यह आपके दिमाग का फोन के प्रति बिना अहसास के ज्यादा सचेत हो जाना है।

पानी की किल्लत होने पर इस तरह पूरी करें पानी की जरूरत

गर्मी आ गई है और दुनिया के कई इलाकों में पानी की समस्या शुरू हो गई है। पानी की कमी के कारण लोगों की जानें भी जा रही हैं। पिछले दिनों नन्ही बच्ची पानी भरते-भरते मर गई। डॉक्टरों ने बच्ची की मौत का कारण डीप हीट स्ट्रोक को माना है। 11 साल की बच्ची रोजाना तपती धूप में पानी भरती थी। उसका घर हैंडपंप से 400 मीटर दूर था। वो रोज 10 से ज्यादा बार पानी भरने जाती थी। उस दिन गर्मी ज्यादा थी या धूप, मालुम नहीं। लेकिन बच्ची हीट स्ट्रोक की शिकार हुई और पानी की आस में परिवारजनों से हमेशा के लिए दूर हो गई है।

हीट स्ट्रोक

साल दर साल नए रिकॉर्ड तोड़ रही गर्मी ने इस साल अप्रैल में ही तापमान 43 डिग्री सेल्सियस को पार कर लिया। ऐसे में बढ़ते तापमान और आ रही लोगों की मौत की खबरों के बीच जरूरी है कि आप भी हीट स्ट्रोक के खतरो को आब सामान्य तौर पर लेने के बजाय इसके खतरे को समझें और बचकर रहें।

इन इलाकों में समस्या

जल समस्या देश के कई इलाकों में देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के अलावा मध्यप्रदेश के भी जिलें सुखे की चपेट में है। दक्षिणी कर्नाटक के ग्रामीण इलाक पूरी तरह से सूख चुके हैं और वहां से दंगों की खबरें आ रही हैं। बारह महीने सदाबहार रहने वाले चेरापूंजी में भी पानी की समस्या सुनने को आ रही है। दिल्ली में पानी की समस्या तो गर्मी के शुरू होते ही शुरू हो जाती है। बिहार जैसे राज्य में जहां हर वर्ष बाढ़ आती है वो भी पानी की समस्याओं से जूझ रहा है।

जल समस्या

जल इंसानी जीवन का जरूरी अंग है। एक सामान्य इंसान को प्रतिदिन आठ ग्लास पानी पीने की जरूरत होती है। डेली इनटेक के अनुसार 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों को प्रति दिन 3.7 लीटर पानी पीना चाहिए और महिलाओं को 2.7 लीटर पानी पीना चाहिए। इसमें खाने और फलों में मौजूद पानी को भी शामिल किया गया है। लेकिन जब इतनी मात्रा में पानी नहीं मिल पाता तो शुरू होती है जल समस्या।

समस्या से निपटने के लिए ये करें

पानी का कम से कम इस्तेमाल करना जल-समस्या के निवारण का पहला कदम है। लेकिन बड़ा सवाल तो ये है कि पानी का कम इस्तेमाल कितना करें। क्योंकि लोगों के पास जब तीन दिन में पानी आएगा तो वे कम इस्तेमाल करेंगे ही। तो फिर कम इस्तेमाल कैसे?

- कम इस्तेमाल करने की बात उन लोगों के लिए है जिनके पास पानी की उचित व्यवस्था है।
- नदियों, तलाबों, हैंडपंप औदि जल स्रोतों को कम से कम प्रदूषित करें।
- दवाईयों का छिड़काव- रोग-जनक सूक्ष्म जीव पानी में मिलकर पानी को प्रदूषित करते हैं। जिससे वो इंसान के पीने लायक नहीं होता। इस पानी को पीने से पेट की बीमारियां होती हैं। इससे बचने के लिए जलस्रोतों में दवाईयों का छिड़काव करें।
- जल की जांच करें- कई बार स्वच्छ जल भी बीमार कर देते हैं। दरअसल जल में अनेक प्रकार के खनिज तत्व, कार्बनिक, अकार्बनिक पदार्थ और गैसें घुली होती हैं जो कई बार अधिक मात्रा में इकट्ठी हो जाती हैं। जिससे पानी पीने लायक नहीं रहता।
- गंदगी का निपटान करें- घरों से निकले कचरे जैसे-नहाने, धोने, पोछा लगाने, सड़े फल, तरकारियों, साबुन और डिटर्जेंट आदि के कारण पानी प्रदुषित होता है।
- पानी बचाएं- पानी का कम से कम इस्तेमाल करें। बर्बाद बिल्कुल भी ना करें। साथ ही वर्षा के जल का संचयन करें।

किल्लत में ये करें

- कम पानी पिएं।
- तला-भूना कम खाएं।
- अधिक से अधिक फल खाएं।
- नहाने के लिए ज्यादा पानी बर्बाद ना करें।
- कपड़ें धोने के पानी से ही घर को पोछें।
- अलग से घर धोने के लिए पानी का इस्तेमाल ना करें।

गर्मी दूर भगाने के लिए इस तरह करें शीतली प्राणायाम

जैसा नाम वैसा काम। ये कहावत शीतली प्राणायम के लिए एकदम सटीक बैठती है। शीतली प्राणायाम से गर्मी के मौसम में राहत पाई जा सकती है। शीतली प्राणायाम प्राणायाम ना केवल शीतलता प्रदान करता है बल्कि मन की शांति भी देता है। शरीर को ठंडक पहुंचाने के कारण इसे कूलिंग ब्रीथ कहा जाता है। इस प्राणायाम को सभी योगासन को करने के बाद सबसे अंत में किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सभी योगासनों को करने की थकान दूर होकर पूरे शरीर में ठंडक का एहसास होता हैं। इस प्राणायाम से सम्पूर्ण शरीर यंत्र को ठंडक प्राप्त होती है और कान एवं नेत्र को शक्ति मिलती है।

शीतली प्राणायाम करने से पहले स्नान कर लेना चाहिए। आसन और प्राणायाम के बाद स्नान करना चाहें तो कम से कम आधे घंटे का अंतराल रखें ताकि इस दौरान रक्त का संचार सामान्य हो जाए। यह प्राणायाम हर मौसम में हर जगह आसानी से किया जा सकता है। प्राणायाम का अभ्यास होने के बाद गर्मी के मौसम में इसकी अवधि आवश्यकता अनुसार बढ़ा सकते हैं।

शीतली प्राणायाम की खास बात ये है इसमें आप किसी एक प्रकार की अवस्था में बैठने के लिए बाध्य नहीं होते। दोनों हाथों की अंगुलियों को ज्ञान मुद्रा में दोनों घुटनो पर रखें, आंखें बन्द करें। उसके बाद अपनी जीभ को नली के समान बना लें अर्थात गोल बना लें और मुंह से लम्बी गहरी श्वास आवाज के साथ भरें।

फिर इस नली के माध्यम से ही धीरे-धीरे मुंह से सांस लें। इसके बाद जीभ अंदर करके सांस को धीरे-धीरे नाक के द्वारा बाहर निकालें। हवा नलीनुमा इस ट्यूब से गुजरकर मुंह, तालु और कंठ को ठंडक प्रदान करेगी। याद रहें कि श्वास बाहर निकालने का समय श्वास लेने के समय से ज्यादा हो। यानी जीभ के सहारे श्वास को धीरे-धीरे अंदर लेना भी है और स्वास छोड़ते वक्त श्वास और धीरे से छोड़ना है।

प्राणायाम के समय सांस लयबद्ध और गहरी होना चाहिए। शीतकारी प्राणायाम में मुंह बंद कर दंत पंक्तियों को मिलाकर मुंह से श्वास लेते हैं और नाक से ही श्वास छोड़ते हैं। प्रदूषित जगह में इस प्राणायाम का अभ्यास न करें। कम से कम 10 चक्रों का अभ्यास करें। अभ्यस्त होने पर 5 से 10 मिनट तक अभ्यास करें।

इसके अभ्यास से मानसिक उत्तेजना एवं उदासीनता दोनों दूर हो जाती हैं। मस्तिष्क के स्नायु, नाड़ी संस्थान तथा मन शांत हो जाता है। यह प्राणायाम अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, हृदयरोग और अल्सर में रामबाण का काम करता है। चिड़चिड़ापन, बात-बात में क्रोध आना, तनाव तथा गर्म स्वभाव के व्यक्तियों के लिए यह विशेष लाभप्रद है।

जो लोग खाते रहने की आदत से परेशान हैं उन्हें ये प्राणायाम जरूर करना चाहिए क्योंकि ये गैर जरूरी भूख कम करता है। ये प्राणायाम ब्लडप्रेशर कम करता है। एसीडिटी और पेट के अल्सर तक में आराम मिलता है।

प्राणायाम के अभ्यास के बाद शवासन में कुछ देर विश्राम करें। जहां तक संभव हो सूर्योदय या सूर्यास्त के समय ही यह प्राणायाम करें।

इससे होने वाले नुकसान को न करें नजरअंदाज

फैशन के लिए टैटू बनवाना पड़ सकता है महंगा

टैटू बनवाना आजकल ट्रेंड में है बल्कि यूं कह लें कि ये एक तरह का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। बॉडी पर ब्लैक एंड व्हाइट से लेकर कलरफुल टैटू बनवाने का फैशन यूथ के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है। खाद्य और औषधि प्रशासन की एक रिपोर्ट में नकली टैटू को लेकर अवेयर किया गया है। तो आइए आज हम आपको बताते है कि टैटू बनवाने के क्या नुकसान हो सकते हैं?

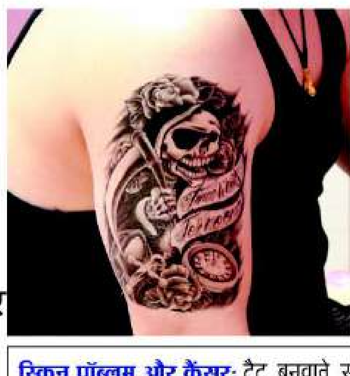

मसल्स को नुकसान

कुछ डिजाइनों में टैटू उकेरने वाली सूईयों को शरीर में गहरा चुभाया जाता है, जिससे मसल्स पर असर पड़ता है और उनके डैमेज होने की संभावना बढ़ जाती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि शरीर पर जहां तिल है उस जगह पर टैटू नहीं बनवाना चाहिए।

स्किन प्रॉब्लम और कैंसर: टैटू बनवाते समय लोग एक मिनट भी नहीं सोचते है कि इससे सोराइसिस नामक बीमारी होने का खतरा होता है। एक व्यक्ति का नीडल दूसरे व्यक्ति पर इस्तेमाल करने से चर्म रोग, हेपेटाइटिस और एचआईवी जैसी संक्रमित बीमारियां होने का खतरा होता है। टैटू बनवाने से स्किन कैंसर का खतरा काफी हद तक बढ़ सकता है।

केमिकल्स का खतरा

टैटू बनाने के लिए प्रयोग की जाने वाली स्याही में कई तरह के खतरनाक केमिकल्स मिले होते हैं, जिनसे स्किन कैंसर का खतरा होता है। टैटू बनाने वालों द्वारा प्रयोग की जाने वाली नीले रंग की स्याही में कोबाल्ट और एल्यूमिनियम होता है। जबकि लाल रंग की स्याही में मरक्यूरियल सल्फाइड और दूसरे रंगों की स्याहियों में शीशा, कैडियम, क्रोमियम, निकल, टाइटेनियम और कई तरह की दूसरी धातुएं मिली होती हैं। जो त्वचा पर एलर्जी कर सकती हैं।

इंफेक्शन और एलर्जी

टैटू बनवाना भले ही स्टाइलिश लगता हो, लेकिन ये कई सारी बीमारियों का घर भी होता है। कई सारी बीमारियों की संभावना के अलावा स्किन पर लाल निशान, सूजन, मवाद आने के साथ दर्द होना, आदि तरह के स्किन इन्फेक्शन हो सकते हैं। इसके अलावा बैक्टीरियल इंफेक्शन होने का भी खतरा बना रहता है। पर्मानेंट टैटू बनवाने में होने वाले दर्द से बचने के लिए अगर कोई नकली टैटू बनवाने की सोच रहा है तो उसे भी सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि इससे भी त्वचा पर एलर्जी हो सकती है।

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

रेसिपी

बिहार का इंटरनेशनल लिट्टी चोखा

आइए बनाएं लिट्टी चोखा

लिट्टी चोखा एक बिहार और झारखंड में खायी जाने वाली डिश है, लेकिन अब पूरे देश में इसे शौक से खाया जाता है। हालाकि लिट्टी देखने में तो बाटी जैसी लगती है, लेकिन दोनों में अंतर है। लिट्टी की पिट्ठी सत्तू से बनाई जाती है और इसे बैगन या आलू के चोखा मतलब भर्ते के साथ खाया जाता है।

सामग्री

लिट्टी के लिए- गेहूं का आटा -4 कप, अजवायन -आधा छोटी चम्मच, घी या तेल -आधा कप, खाने का सोडा - 1/3 छोटा चम्मच, नमक - 3/4 छोटी चम्मच

पिट्ठी के लिए- सत्तू -2 कप, अदरक- इंच लम्बा टुकड़ा महीन कटा, हरी मिर्च -2-4 महीन कटी, हरा धनिया - आधा कप बारीक कतरा हुआ, जीरा -1 छोटी चम्मच, सरसों का तेल -2 छोटी चम्मच, अचार का मसाला -2 टेबल स्पून, नीबू -1 नीबू का रस, काला नमक - स्वादानुसार

चोखा के लिए- बड़ा बैगन -400 ग्राम, टमाटर -250 ग्राम, हरी मिर्च -2-4 बारीक कतरी हुई, अदरक - 11/2 इंच लम्बा टुकड़ा बारीक कतरा हुआ, हरा धनिया -2 टेबल स्पून बारीक कतरा हुआ, नमक -स्वादानुसार, सरसों का तेल -1-2 छोटी चम्मच

विधि

लिट्टी के लिए- आटे को छान कर बर्तन में निकालिए, आटे में घी, खाने का सोडा, अजवायन और नमक डाल कर अच्छी तरह मिला लीजिए, गुनगुने पानी की सहायता से नरम आटा गूथ लीजिए। गुथे हुये आटे को ढककर आधा घंटे के लिये ढककर रख दीजिए।

पिट्ठी बनाने के लिए- अदरक को धोइए, छीलिए और बारीक टुकड़ों में काट लीजिए (कद्दूकस भी कर सकते हैं)। हरी मिर्च के डंठल तोड़ कर बारीक कतर लीजिए। महीन कतरा हरा धनिया भी ले लीजिए।

सत्तू को किसी बर्तन में निकालिए और इसमें कतरे हुये अदरक, हरी मिर्च, धनिया, नीबू का रस, नमक, काला नमक, जीरा, सरसों का तेल और अचार का मसाला मिला लीजिए। अगर पिठ्ठी सूखी लग रही है तो अंदाज से पिठ्ठी को इतना गीला कर लें कि उसके लड्डू बांधने पर बंध सकें। सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लीजिए।

गुथे हुए आटे से मध्यम आकार की लोइयां बना लीजिए। इसके बीच में उंगली से गढ्ढा करके पर्याप्त मात्रा में पिठ्ठी रखिए और आटे को चारो ओर से उठा कर बन्द कीजिए और गोल कर लीजिए। गोले को हथेली से दबा कर थोड़ा चपटा कीजिए।

तंदूर को गरम कीजिए, भरी हुई लोइयों को तंदूर में रखिए और पलट पलट कर ब्राउन होने तक सेकिए, वैसे सामान्य रूप से लिट्टी उपले पर सेकीं जाती है।

चोखा बनाइए- बैगन और टमाटर धोइए और भून लीजिए, ठंडा कीजिए, छिलका उतार लीजिए, किसी प्याले में रख कर चमचे से मैश कर लीजिए। कतरे हुए मसाले और नमक, तेल डाल कर अच्छी तरह मिलाइए। अगर आप लहसुन और प्याज पसन्द करते है तब 5-6 लहसुन की कली छीलिए बारीक कतरिए और एक प्याज छीलिए, बारीक कतरिए इन्हें भी इस बैगन में मिला लीजिए।

आलू का चोखा

उबले आलू 4-5 छील कर बारीक तोड़ लीजिए, कतरे हुए अदरक, हरी मिर्च, हरे धनिये, लाल मिर्च, नमक मिलाइए, आलू का चोखा तैयार है, अब चोखा प्याले में डालिए, गरमा गरम लिट्टी को पिघले हुए घी में डुबाइए, चोखा के साथ और हरे धनिये की चटनी के साथ सर्व कीजिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**